শর্মা হার্ডওরের
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 139 | गुवाहाटी | बुधवार, 18 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सुशासन का प्रतीक बन रही हैं भाजपा की डबल इंजन की सरकारें : पीएम पेज 2

विकास के 12 दिन के माध्यम से राज्य को विकास का संदेश : मंत्री रंजीत दास पेज 3

विधान सभा सत्र : योगी सरकार में कानून व्यवस्था सबसे मजबूत पेज 5

बुमराह, आकाशदीप ने टाला फॉलोआन का खतरा, भारत ने 9 विकेट पर बनाए 252 रन पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

लोस में पेश हुआ एक देश-एक चुनाव विधेयक

नई दिल्ली। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए *एक देश, एक चुनाव* का संविधान (129वां संशोधन) विधेयक संसद में पेश हो गया है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विधेयक पेश किया। उन्होंने इसे जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव रखा है। विधेयक में उस स्थिति के लिए भी प्रावधान है जब संसदीय चुनावों के साथ किसी विधानसभा के चुनाव न हो पाएं। विधेयक की धारा-दो की उपधारा-पांच के अनुसार, अगर चुनाव आयोग को लगता है कि किसी विधानसभा के चुनाव लोकसभा चुनावों के साथ नहीं कराए जा सकते हैं तो वह राष्ट्रपति से एक आदेश जारी करने का अनुरोध कर सकता है कि उक्त विधानसभा के चुनाव बाद की तिथि पर कराए जा सकते हैं। विधेयक के जरिये संविधान में अनुच्छेद-82ए (लोकसभा एवं विधानसभाओं के एकसाथ चुनाव) को जोड़ा जाएगा। जबकि अनुच्छेद-83 (संसद के सदनों की अवधि), अनुच्छेद-172 (राज्य विधानसभाओं की अवधि) और अनुच्छेद-327 (विधायिकाओं के चुनाव से जुड़े प्रविधान करने की संसद की शक्ति) में संशोधन किए जाएंगे। विधेयक में यह भी प्रविधान है कि इसके कानून बनने के बाद आम चुनाव -शेष पृष्ठ दो पर

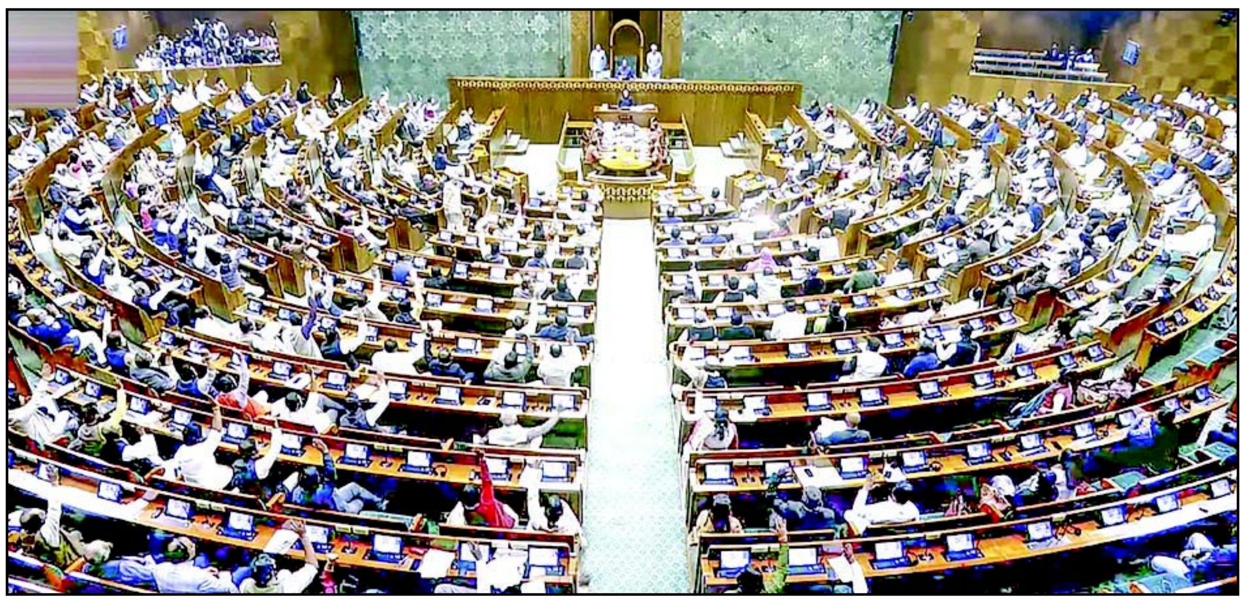

बोटिंग के दौरान गडकरी, सिंधिया, गिरिराज समेत 11 सांसद रहे गायब, पार्टी ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली। लोकसभा में एक देश-एक चुनाव विधेयक पेश करते वक्त भारतीय जनता पार्टी के 11 सांसद मौजूद नहीं थे। वहीं, एनडीए सहयोगियों में जनसेना से बालासौरी गैरहाजिर थे। इसमें कई तो केंद्रीय मंत्री भी हैं जो बिल पेश होते समय सदन में मौजूद नहीं थे। अब पार्टी इन सांसदों को नोटिस जारी करेगी। गैरमौजूदगी की रिपोर्ट आने के बाद पार्टी आगे का फैसला करेगी। दरअसल, वन नेशन-वन इलेक्शन के पेश होने के दौरान बिल के समर्थन में सिर्फ 269 वोट पड़े थे, जिसके बाद सरकार पर सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर का कहना है कि सरकार जरूरी साधारण बहुमत भी नहीं जुटा पा रही है तो फिर उसे दो तिहाई मत कैसे मिलेगा? भाजपा सांसदों के गैरमौजूदगी को लेकर इसलिए सवाल खड़े हो रहे हैं क्योंकि लोकसभा में बिल पेश होने से एक दिन पहले यानी सोमवार की -शेष पृष्ठ दो पर

बिल पर राजनीतिक दलों के सुर हुए अलग, संसद में हुई तीखी बहस

नई दिल्ली। भारत में चुनावों की प्रक्रिया को लेकर एक बार फिर से चर्चा का विषय बने *एक देश, एक चुनाव* की परिकल्पना को लेकर मंगलवार को संसद में एक अहम कदम उठाया गया। सरकार ने संसद में संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक 2024 पेश किए। इन विधेयकों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ किए जाएं, जिससे चुनावों में होने वाले खर्च और संसाधनों का कुशल उपयोग हो सके। जैसे ही यह विधेयक लोकसभा में पेश हुआ, हंगामे का माहौल बन गया। लोकसभा में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विधेयक को पेश किया, जिसके बाद विपक्षी दलों ने इस पर विरोध जताया। इस विधेयक के पक्ष में और विपक्ष में तीखी बहस हुई, और बाद में डिवीजन के बाद इसे सदन में पेश किया गया। इसके बाद विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने का निर्णय लिया गया। विपक्षी दलों ने एक देश, एक चुनाव विधेयक पर कड़ा विरोध जताया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने संविधान संशोधन विधेयक को संविधान के मौलिक ढांचे और संघीय संरचना के खिलाफ करार दिया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक संविधान की सातवीं अनुसूची का उल्लंघन करता है और संघीय व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है। तिवारी का आरोप था कि संविधान की कुछ विशेषताएं ऐसी हैं, जो संसद के संशोधन के अधिकार से भी परे हैं और यह विधेयक उन्हें बदलने की कोशिश कर रहा है। लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई ने भी इस विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के जरिए राष्ट्रपति को अत्यधिक शक्तियां दी जा रही हैं, जो असंवैधानिक हैं। गोगोई ने यह भी आरोप लगाया कि इस विधेयक में चुनाव आयोग को अधिकार देने का प्रावधान असंवैधानिक है, क्योंकि चुनाव आयोग केवल सरकार के परामर्श से काम करता है, जबकि अब यह -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
ईर्ष्या करने वाले दो समान व्यक्तियों में विरोध पैदा कर देना चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

मणिपुर के सीमावर्ती इलाके से पांच सक्रिय आईईडी बरामद

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के कांगपोकपी और इंफाल पूर्वी जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में सेना और राज्य पुलिस के संयुक्त अभियान में मंगलवार को पांच सक्रिय इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइसेज (आईईडी) बरामद किए गए। राज्य पुलिस मुख्यालय के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि विशेष खुफिया सूचना के आधार पर -शेष पृष्ठ दो पर

गुफा मामला : केएसयू ने असम के हिंदू संगठन को चेताया

शिलांग। मेघालय के दबाव समूह, खासी छात्र संघ (केएसयू) ने असम स्थित हिंदू संगठन, कुटुम्बा सुरक्षा परिषद (केएसपी) को मेघालय के महत्वपूर्ण मार्गों को अवरुद्ध करने के खिलाफ चेतावनी दी है, जिसमें गुवाहाटी के पास जोराबाट रोड और ग्वालपाड़ा के पास पैकन रोड शामिल हैं। संघ का यह बयान हिंदू संगठन द्वारा मेघालय की मावजिम्बुइन गुफा को हिंदू अनुष्ठानों के -शेष पृष्ठ दो पर

प्रति व्यक्ति आय में असम का स्थान सबसे नीचे

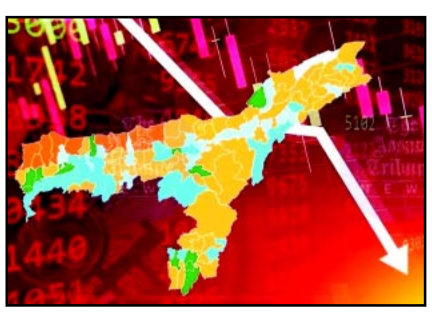

गुवाहाटी। असम की अर्थव्यवस्था, गतिशील भविष्य की ओर बढ़ने के संकेत दिखाने के बावजूद, प्रति व्यक्ति आय के मामले में अपने पड़ोसी राज्यों से पीछे है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 2023-24 के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, असम देश में सबसे निचले पायदान पर है, जो केवल बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड से आगे है। आंकड़ों से पता चलता है कि असम की औसत प्रति व्यक्ति आय 1,35,787 है, जो आंध्र प्रदेश (2,42,479), हिमाचल प्रदेश (2,35,199) और दिल्ली (4,61,910) जैसे राज्यों से काफी कम है। सिक्किम, मेघालय और त्रिपुरा जैसे पड़ोसी राज्य भी तुलनात्मक रूप से मजबूत आर्थिक संकेतक प्रदर्शित करते हैं। अर्थशास्त्रियों का तर्क है कि भले ही राजनीतिक नेता आर्थिक मजबूती का दावा करते हों, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां करती है। प्रति व्यक्ति कम आय, बढ़ती बेरोजगारी और -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भूटान के राजा से की वार्ता

असम-भूटान के ऐतिहासिक संबंधों को सुदृढ़ करने पर दिया जोर

थिम्फू (हि.स.)। भूटान सरकार के निमंत्रण पर असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर भूटान पहुंचे। आज उन्होंने भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने असम और भूटान के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने तथा आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। बैठक में भूटान के विकास, लोगों की भलाई और क्षेत्रीय आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने इसके बाद भूटान के प्रधानमंत्री दशो शेरिंग तोग्बे के साथ एक अन्य बैठक में आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। -शेष पृष्ठ दो पर

सेना मुख्यालय से पाकिस्तान के आत्मसमर्पण वाली तस्वीर हटने से कांग्रेस नाराज, निकाली रैली

अगरतला। त्रिपुरा कांग्रेस की युवा शाखा के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को एक विशाल विरोध रैली निकाली। ये रैली 1971 के युद्ध के दौरान पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण की ऐतिहासिक तस्वीर को भारतीय सेना मुख्यालय से कथित रूप से हटाए जाने के विरोध में निकाली गई। विरोध रैली में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नीलकमल साहा ने कहा कि विजय दिवस के दिन सरकार ने सेना मुख्यालय से इस ऐतिहासिक तस्वीर को हटा दिया। यह प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारतीय सेना के -शेष पृष्ठ दो पर

गौहाटी एचसी ने माघ बिहू के दौरान भैंस और बुलबुल पक्षी की लड़ाई पर प्रतिबंध लगाया

गुवाहाटी। पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया दवारा दायर याचिकाओं के जवाब में, गौहाटी उच्च न्यायालय ने मंगलवार को असम सरकार के पिछले वर्ष के एसओपी को रद्द कर दिया, जिसमें वर्ष के एक निश्चित समय (जनवरी में) के दौरान भेंस और बुलबुल पक्षियों की लड़ाई मै अनुमति दी गई थी। याचिका पर गौहाटी उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति देवाशीष बरुआ ने सुनवाई की। न्यायात्रय ने पेटा इंडिया की इस दलील को स्वीकार कर लिया कि भैंसों और बुलबुल की लड़ाई पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 का उल्लंघन करती है और बुलबुल की लड़ाई वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 का भी उल्लंघन करती है। न्यायालय ने आगे कहा कि एसओपी 7 मई 2014 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एनिमल बेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया बनाम ए. नागराजा में पारित निर्णय का उल्लंघन है। साक्ष्य के तौर पर, पेटा इंडिया ने इन झगड़ों की जांच प्रस्तुत की थी, जिसमें पता चला कि भयभीत और गंभीर रूप से घायल भैंसों को पीट-पीटकर लड़ने के लिए मजबूर किया गया था और भूखे और नशे में धुत बुलबुलों को आयोजन के लिए लड़ने -शेष पृष्ठ दो पर

संभल के बाद वाराणसी के मुस्लिम बहुल इलाके में मिला प्राचीन शिव मंदिर

वाराणसी (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के बाद अब वाराणसी के मुस्लिम बहुल इलाके मदनपुरा में 250 साल पुराना एक शिव मंदिर मिला है। मंदिर में पूजा-पाठ भी नहीं होता है। कई वर्षों से ताला बंद है। सोशल मीडिया पर मंदिर की तस्वीर वायरल होते ही मंगलवार को हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। मंदिर के बाहर महिला कार्यकर्ताओं के शंखनाद से वहां भीड़ जुट गई। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची। नगर के संवेदनशील इलाके में मंदिर मिलने पर पुलिस बल के साथ खुफिया तंत्र भी -शेष पृष्ठ दो पर

भारतीय महिला के कैफे में 1.14 लाख रुपए की एक कप चाय!

दुबई। दुबई के बोहो कैफे में भारतीय मूल की उद्यमी सुचेता शर्मा ने एक ऐसा कैफे शुरू किया है, जो अपनी अनोखी और महंगी चाय के लिए चर्चा में है। यहां मिलने वाली *गोल्ड कड़क चाय* की कीमत एईडी 5000 (लगभग 1.14 लाख रुपए) है। इस कीमत ने लोगों को हैरानी में डाल दिया है। सुचेता कहती हैं कि हम ऐसे बड़े समुदाय की जरूरतों को पूरा करना चाहते हैं, जो लक्जरी के साथ कुछ नया और अनोखा अनुभव करना चाहते हैं। दुबई में इस तरह की अल्ट्रा-लक्जरी फूड आइटम्स का चलन बढ़ रहा है। बोहो कैफे इस ट्रेंड का हिस्सा बनकर दुनिया भर में सुर्खियां बटोर रहा है। यह चाय चांदी के कप में परोसी जाती है और इसमें 24 कैरेट सोने की पत्ती मिलाई जाती है। चाय के साथ गोल्ड-लेपित क्रोइसैन और एक गोल्ड स्मारिका दी जाती है, जिसे ग्राहक अपने पास रख सकते हैं। कैफे की ऑनर सुचेता शर्मा का कहना है कि यह खासतौर -शेष पृष्ठ दो पर

कम से कम तीन बच्चे पैदा करें हिन्दू : प्रवीण तोगड़िया

गाजियाबाद (हि.स.)। अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने मंगलवार को कहा कि भारत में हिन्दुओं की जनसंख्या लगातार घट रही है। आजादी के समय 86 प्रतिशत हिन्दू थे। अब केवल 71 प्रतिशत बचे हैं। वृद्धि दर नीचे आ गई है जो बेहद गंभीर है और अगले 70-80 वर्षों में हिन्दुओं की गंभीर स्थिति बनेगी। तोगड़िया लाजपत नगर के शिव शक्ति विहार में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। बांग्लादेश से लगातार हो रहे घुसपैठ को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की जरूरत पर जोर देते हुए जनसंख्या नियंत्रण कानून, समान नागरिक संहिता और पांच करोड़ बांग्लादेशियों को वापस भेजने की मांग की। डॉक्टर तोगड़िया ने कहा कि हिंदू यदि घटेंगे तो निश्चित तौर पर कटेंगे ही। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को कम से कम तीन बच्चे पैदा करने होंगे। प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि देखने में आया है कि जहां-जहां मुस्लिम बहुमत होता है वहां पर गैर मुस्लिम असुरक्षित रहता है। कश्मीर घाटी बांग्लादेश-अफगानिस्तान और पाकिस्तान इसके जीते जागते उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि पहले बांग्लादेश में 28 प्रतिशत हिन्दू थे। अत्याचार के कारण लगातार पलायन के चलते केवल आठ प्रतिशत हिन्दू बचे हैं। वहां हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए केंद्र सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इजराइल जैसा 90 लाख की आबादी वाला देश यहूदियों की रक्षा के लिए ईरान, फिलिस्तीन, लेबनन, सीरिया, यमन में मार रहा है। मैं इसी भारत का सपना देख रहा हूं। अब यहां से पांच करोड़ बांग्लादेशियों को खदेड़ने का काम मिलकर करेंगे जो भी उन्हें अपना बताएगा उनका डीएनए टेस्ट कराएंगे। तोगड़िया ने बताया कि हिन्दुओं को हिन्दुत्व से जोड़ने के लिए हर गांव में मंगल या शनिवार को हनुमान चालीसा भी करा रहे हैं। पहले फेज में एक लाख गांव में हनुमान चालीसा कराएंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस पर हमला हमारी सरकार पर हमला है। पुलिस पर हमला हम बर्दाश्त -शेष पृष्ठ दो पर

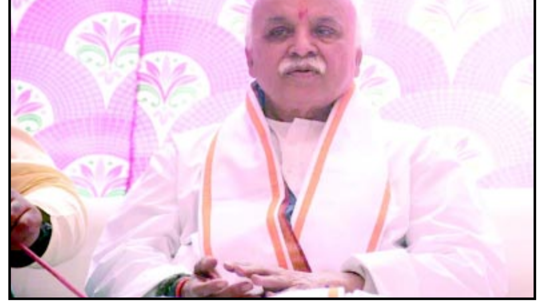

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सुशासन का प्रतीक बन रही हैं भाजपा की डबल इंजन की सरकारें : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर जयपुर में मंगलवार को आयोजित *एक वर्ष- परिणाम उत्कर्ष* कार्यक्रम में कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकारें सुशासन का प्रतीक बन रही हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए डबल इंजन सरकार दिन-रात मेहनत कर रही है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा, सड़क, रेलवे और जल से जुड़ी 46,300 करोड़ रुपए से अधिक की 24 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ये प्रोजेक्ट राजस्थान में पानी की चुनौती का स्थाई समाधान करेंगे। ये प्रोजेक्ट राजस्थान को देश के सबसे कनेक्टेड राज्यों में से एक बनाएंगे। इससे राजस्थान में निवेश को बल मिलेगा। रोजगार के अनगिनत अवसर बनेंगे। राजस्थान के टूरिज्म को, यहां के किसानों को, नौजवान साथियों को इससे बहुत फायदा होगा। मोदी ने कहा कि भाजपा जो भी संकल्प लेती है, उसको पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास करती है। आज देश के लोग कह रहे हैं कि भाजपा सुशासन की गारंटी है। तभी तो एक के बाद एक राज्यों में आज भाजपा को इतना भारी जनसमर्थन मिल रहा है। देश ने लोकसभा में भाजपा को लगातार तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर दिया है। बीते 60 सालों में हिंदुस्तान में ऐसा नहीं हुआ था। प्रधानमंत्री ने राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार को एक साल पूरा करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि ये पहला वर्ष एक प्रकार से आने वाले अनेक वर्षों की मजबूत नींव बना है। आज का उत्सव सरकार के एक साल पूरा होने तक सीमित नहीं है, ये राजस्थान के फैलते प्रकाश और विकास का उत्सव है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नदियों को जोड़ने के विजन का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इसका उद्देश्य नदियों के पानी को सूखाग्रस्त क्षेत्रों तक पहुंचाना था। इससे बाढ़ की समस्या और सूखे की समस्या दोनों का समाधान संभव था। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसके समर्थन में बातें कही हैं लेकिन कांग्रेस ने समाधान के बजाय राज्यों के बीच जल-विवाद को ही बढ़ावा दिया।

कांग्रेस ने संविधान में 77 बार संशोधन किए : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में मंगलवार को कहा कि दोनों सदनों में संविधान पर हुई चर्चा युवाओं और अगली पीढ़ी के लिए बहुत शिक्षाप्रद होगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने संविधान में 22 बार संशोधन किया, जबकि कांग्रेस ने 77 बार संशोधन किया। उन्होंने कहा कि संशोधनों के कारण पार्टी के चरित्र और संविधान में उसकी आस्था को दर्शाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करने का काम किया, तो वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। उन्होंने कहा कि लोग देखेंगे कि किस पार्टी ने संविधान को बरकरार रखा है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हीं की बदौलत देश दुनिया का मजबूती से सामना कर पा रहा है। शाह ने कहा कि हमारा संविधान, संविधान सभा का निर्माण और निर्माण प्रक्रिया अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में 22 धर्मों और पंथों के 299 सदस्य थे, साथ ही हर रियासत और राज्य का प्रतिनिधित्व था। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में 2 साल, 11 महीने और 18 दिन लगे। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमने दुनिया के संविधानों से अच्छी चीजें ली हैं लेकिन हमने अपनी परंपराओं को नहीं छोड़ा है। उन्होंने कहा कि अगर पढ़ने का चश्मा विदेशी होगा तो भारतीयता दिखाई नहीं देगी। इससे पहले उन्होंने ऋग्वेद का हवाला देते हुए कहा कि इसमें हर चीज से अच्छाई लेने को कहा गया है। अमित शाह ने कहा कि हमारा संविधान अपरिवर्तनीय नहीं था। उन्होंने कहा कि संविधान सभा ने इसे स्वीकार किया और संविधान के अनुच्छेदों में इसके लिए प्रावधान किया। उन्होंने कहा कि एक ही दिन में दो चुनाव परिणाम आए। जब वे (विपक्ष) महाराष्ट्र में चुनाव हार गए, तो उन्होंने कहा कि ईवीएम खराब है और जब वे झारखंड में चुनाव जीते, तो उन्होंने अच्छे कपड़े पहनकर शपथ ली। कुछ तो शर्म करो... जनता देख रही है। अमित शाह ने कहा कि हम नई शिक्षा नीति लेकर आए, जिसका कम्युनिस्ट पार्टियों ने भी विरोध नहीं किया। हम 3 आपराधिक न्याय कानून लेकर आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन कानूनों को लाकर आपराधिक न्याय प्रणाली का भारतीयकरण किया। अगर किसी ने देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करने का काम किया, तो वे प्रधानमंत्री मोदी हैं।

विश्वविद्यालय के चतुर्थवर्गीय कर्मचारी ने की आत्महत्या

गुवाहाटी (हिंस)। गौहाटी विश्वविद्यालय के एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मोइनुल इस्लाम के रूप में हुई है, जो गाड़ीगांव के बेजपारा में रहता था। वह विश्वविद्यालय में फिक्स्ड पे पर कार्यरत था। मंगलवार की सुबह उसका शव विश्वविद्यालय परिसर में मिला। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि मोइनुल ने आत्महत्या क्यों की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्वालपाड़ा में मंत्री सिंघल ने बाढ़ पीड़ितों की सहायता की

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा शहर के डीआईसी मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम में मंत्री अशोक सिंघल ने बाढ़ प्रभावित लोगों को सहायता वितरित की। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की सरकार द्वारा चलाई जा रही विशेष 12 दिवसीय कार्यक्रम श्रृंखला के तहत आज दूसरे दिन ग्वालपाड़ा के उद्योग और वाणिज्य विभाग कार्यालय के मैदान में यह सभा आयोजित हुई। इस कार्यक्रम में असम सरकार के स्वास्थ्य एवं जल संसाधन मंत्री अशोक सिंघल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने बाढ़ पीड़ित लोगों को चेक प्रदान किए। इसके साथ ही माइक्रोफाइनेंस ऋण माफी योजना के अंतर्गत महिला आत्म-सहायता समूहों को बैंक प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

हाईवे पर चलती गाड़ी में लगी आग

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट में राजमार्ग पर एक चलती गाड़ी में आग लग गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि जोरहाट में राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर ताराजान ब्राह्मण गांव के अलीमूर में मारुति 800 कार में आग लगी। व्यक्ति कार (एएस 23 बी 5383) चला रहा था कि कार में आग लग गई। वह वाहन से उतरकर भाग गया।

युवा डॉक्टरों को ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों में देनी चाहिए सेवा : राष्ट्रपति

मंगलागिरी (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को गुंटूर जिले के मंगलगिरी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने सुझाव दिया कि युवा डॉक्टरों को ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में भी चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने को लेकर प्राथमिकता देनी चाहिए। मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि राज्य सरकार एम्स के विकास के लिए पूरा सहयोग देगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नवीनतम तकनीक का दावा करने वाला मंगलगिरी एम्स देश में प्रथम स्थान पर रहेगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मंगलगिरी एम्स के लिए 10 एकड़ जमीन और आवंटित की जा रही है। राष्ट्रपति ने एम्स के प्रथम बैच के 49 एमबीबीएस छात्रों को डिग्री प्रदान की। राष्ट्रपति ने कहा कि मेडिकल करियर चुनकर छात्रों ने मानवता की सेवा का रास्ता चुना है। आपके पास लोगों की जान बचाने और उनके स्वास्थ्य में सुधार करने का एक अमूल्य अवसर होगा। आप जैसे युवा डॉक्टरों को ग्रामीण, आदिवासी और दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों की सेवा करने को प्राथमिकता देनी जानी चाहिए। कार्यक्रम में राज्यपाल अब्दुल नजीर, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू बाबू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण भी मौजूद रहे। इस मौके पर

पिस्तौल समेत ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले की जुरिया पुलिस ने शातिर ड्रग्स शाहजहां अली को पिस्तौल समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान थाना क्षेत्र के व्यापारी बस्ती से 9 एमएम पिस्तौल समेत शातिर ड्रग्स तस्कर शाहजहां अली को गिरफ्तार किया गया है। पिस्तौल की पांच राम जिंदा कारतूस भी पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस ने तस्कर के पास से भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया है। घटना के संबंध में पुलिस संबंधित धाराओं में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार ड्रग्स तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है। उधर कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया पुलिस ने हेरोइन समेत दो युवकों को गिरफ्तार किया है।

गोलकगंज में गो-मांस की तस्करी कर रहा वाहन दुर्घटनाग्रस्त

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के गोलकगंज में पुलिस की सख्ती के बावजूद अवैध कारोबारियों ने नई रणनीति अपनाकर तस्करी शुरू कर दी है। तस्कर राष्ट्रीय राजमार्ग के बजाए गांव के अंदरूनी रास्तों का इस्तेमाल करने लगे हैं। गोलकगंज में पुलिस की सक्रियता के बावजूद गो-मांस की अवैध तस्करी जारी है। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल से गौरीपुर की ओर आ रहे एक तीन पहिया यात्री वाहन (एस-17सी-0993) का उत्तर रायपुर तृतीय खंड गांव में दुर्घटना हो गया। वाहन की आवाज सुनकर एक स्थानीय व्यक्ति घर से बाहर आया और वाहन में सवार तीन लोगों को बाहर निकलने में मदद की। सभी को हल्की-फुल्की चोटें आईं। घायलों ने पानी की मांग की, लेकिन जब स्थानीय लोग पानी लाने गए, तो तीनों व्यक्ति रहस्यमय तरीके से मौके से फरार हो गए। इससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर गोलकगंज पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन की तलाशी ली। वाहन के सीलिंग से लगभग 300 किलो गो-मांस बरामद किया गया। उल्लेखनीय है कि तीन दिन पहले भी अगमनी और बालाजान में तथा कल तामरहाट और गौरीपुर में पुलिस ने गो-मांस के साथ तस्करों को पकड़ा था। पुलिस की सख्ती के बावजूद इस अवैध कारोबार में कोई कमी नहीं आ रही है।

पृष्ठ एक का शेष

लोस में पेश हुआ...

के पश्चात लोकसभा की पहली बैठक की तिथि पर राष्ट्रपति की ओर से अधिसूचना जारी की जाएगी और अधिसूचना जारी करने की तिथि को नियत तिथि कहा जाएगा। लोकसभा का कार्यकाल उस तिथि से पांच वर्ष का होगा।

बोटिंग के दौरान ...

शाम को पार्टी ने तीन लाइन का व्हिप जारी किया था। इस व्हिप में पार्टी ने अपने सभी सांसदों को सदन में मौजूद रहने के लिए कहा था। भाजपा सूत्रों से जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक लोकसभा में इस बिल के पेश होते वक्त शांतनु ठाकुर, जगदंबिका पाल, बी वाई राघवेंद्र, गिरिराज सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, नितिन गडकरी, विजय बघेल, उदयराज भोंसले, भागीरथ चौधरी, जगन्नाथ सरकार और जयंत कुमार रॉय मौजूद नहीं थे। पार्टी इन सांसदों को व्हिप के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी करेगी और जवाब मांगेगी। पार्टी का व्हिप जारी होने पर अगर कोई सांसद गैरहाजिर होता है तो उसको पहले पार्टी के व्हिप (सचेतक) को कारण बताते हुए सूचित करना पड़ता है। अगर कोई कारण बताए बिना गैरहाजिर रहता है तो पार्टी उसको नोटिस भेजकर जवाब मांगती है। पार्टी जवाब से संतुष्ट नहीं होती तो अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है और सदस्यता तक जा सकती है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और उससे जुड़े संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024 को लोकसभा के पटल पर रखा जिनका विपक्षी दलों ने पुरजोर विरोध किया।

बिल पर राजनीतिक...

प्रस्तावित है कि राष्ट्रपति चुनाव आयोग से परामर्श लेंगे। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद धर्मेंद्र यादव ने भी इस विधेयक पर अपनी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि संविधान को बचाने की बात करने वाली सरकार अब उसे बदलने की कोशिश कर रही है। यादव ने आरोप लगाया कि सरकार *तानाशाही* की ओर बढ़ रही है और एक साथ चुनाव कराने के फैसले से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर किया जा सकता है। उनका कहना था कि यह विधेयक संविधान की मूल भावना को नष्ट कर सकता है और इसे तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। वहीं, कुछ दलों ने इस विधेयक का समर्थन भी किया। शिवसेना (शिंदे गुट) और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने एक देश, एक चुनाव के पक्ष में अपनी राय दी। शिवसेना के सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा कि यह चुनाव सुधार का एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे चुनावी खर्च में कमी आएगी। टीडीपी के सांसद चंद्रशेखर पेम्मासानी ने भी इस विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि चुनावों में होने वाला खर्च बहुत बढ़ चुका है और एक साथ चुनाव कराने से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने भी इस विधेयक का विरोध किया। उन्होंने इसे संविधान और लोकतांत्रिक संरचना के खिलाफ बताते हुए कहा कि यह विधेयक संसद और फेडरलिज्म की अवहेलना करता है। ओवैसी ने इसे *प्रेसीडेंशियल स्टाइल डेमोक्रेसी* की दिशा में एक कदम बताया और कहा कि यह एक व्यक्ति के ईगो को संतुष्ट करने का प्रयास है। इसके अलावा, अन्य दलों जैसे कि राजस्थान से लेफ्ट के सांसद अमराराम और टीएमसी के कल्याण बनर्जी ने भी इस विधेयक को संविधान विरोधी बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। अमराराम ने इसे तानाशाही का प्रयास करार दिया, जबकि कल्याण बनर्जी ने इसे लोकतंत्र और राज्य सरकारों की स्वायत्तता पर हमला बताया। गृह मंत्री अमित शाह ने इस विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि जब यह बिल कैबिनेट में आया था, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद सुझाव दिया था कि इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा जाए और इस पर विस्तृत जांच की जाए। अमित शाह ने कहा कि अगर सदन में इस पर और समय बर्बाद नहीं करना है तो इसे जेपीसी के पास भेज दिया जाए, जहां इसकी पूरी छानबीन होगी और फिर सदन में विस्तृत चर्चा होगी। लोकसभा में इसके बाद यह विधेयक जेपीसी के पास भेजा जाएगा। वहां पर इसकी पूरी जांच-पड़ताल की जाएगी और उसके बाद इसे पुनः संसद में पेश किया जाएगा। इस बीच विपक्षी दलों का कहना है कि इस विधेयक को संविधान विरोधी और लोकतंत्र के खिलाफ मानते हुए इसे वापस लिया जाना चाहिए।

प्रति व्यक्ति आय...

छोटे और मध्यम स्तर के व्यवसायों में गिरावट राज्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। एक अर्थशास्त्री ने टिप्पणी की कि यदि लोगों की क्रय शक्ति कम हो जाती है, तो राजनीतिक दावों के बावजूद अर्थव्यवस्था को बढ़ने में संघर्ष करना पड़ेगा। राज्य सरकार इस मुद्दे पर काफी हद तक चुप रही है, और असम की प्रति व्यक्ति आय में लगातार गिरावट के लिए कोई स्पष्ट स्पष्टीकरण नहीं दिया है। बढ़ती बेरोजगारी और कमजोर होते लघु उद्योगों के कारण असम को सतत आर्थिक विकास हासिल करने में काफी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने, बेरोजगारी कम करने और स्थानीय व्यवसायों को सशक्त बनाने के लिए मजबूत प्रयासों की आवश्यकता होती है। ऐसे उपायों के बिना, राज्य की आर्थिक आकांक्षाएं अधूरी रह सकती हैं।

असम-भूटान के ऐतिहासिक...

उन्होंने असम और भूटान के बीच व्यापारिक साझेदारी को सुदृढ़ करने के लिए नए अवसर तलाशने पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों क्षेत्रों के बीच सात पारंपरिक व्यापार मार्गों के माध्यम से वर्षों से गहरे आर्थिक संबंध बने हुए हैं। उन्होंने भूटानी नेतृत्व को आश्वासन दिया कि असम सरकार असम-भूटान सीमा पर व्यापारिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगी। उन्होंने व्यापार और वाणिज्य को और सुगम बनाने के लिए अतिरिक्त व्यापार मार्गों के निर्माण की आवश्यकता पर भी बल दिया। साथ ही उन्होंने *असम माला* योजना के अंतर्गत कोकराझाड़ से ग्यालफु के बीच सड़क संपर्क को मजबूत करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। इस बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ के.के. द्विवेदी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा और उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने भूटान के 117वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में भी हिस्सा लिया। थिम्फू के प्रसिद्ध चांगलिमिथांग मैदान में आयोजित इस समारोह में भाग लेना मुख्यमंत्री के लिए एक भावनात्मक और यादगार अनुभव रहा। उन्होंने भूटान सरकार के भव्य स्वागत और शानदार आयोजन के लिए आभार प्रकट किया। गौरतलब है कि भूटान का राष्ट्रीय दिवस 1907 में देश के पहले राजा उग्येन वांगचुक के राज्याभिषेक की स्मृति में मनाया जाता है। यह अवसर भूटान के सांस्कृतिक गौरव को सम्मान देने और देश की शांति, समृद्धि और खुशहाली के प्रति जनता की प्रतिबद्धता को दोहराने का मौका देता है। बाद में मुख्यमंत्री डॉ शर्मा और उनकी पत्नी ने थिम्फू स्थित क्वेनरी हॉल में भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर प्रार्थना की।

सेना मुख्यालय से पाकिस्तान ...

गौरवशाली इतिहास को नकारने की कोशिश है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं और तस्वीर को वापस उसकी जगह पर लगाने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा यह तस्वीर बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भारतीय सेना की वीरता को दर्शाती है। यह उन सैनिकों के बलिदान का प्रतीक है, जिन्होंने पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना को हराने के लिए मुक्ति सेनानियों के साथ मिलकर संघर्ष किया। मामले में सोमवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में दावा किया था कि भारतीय सेना मुख्यालय से पाकिस्तान के आत्मसमर्पण की तस्वीर हटा दी गई है। गांधी ने शून्यकाल में कहा कि यह तस्वीर विजय दिवस के दिन हटाई गई थी। बता दें कि जिस तस्वीर की हटाए जाने की बात हो रही है, यह तस्वीर 1971 के युद्ध के दौरान पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल ए.ए.के. नियाजी के आत्मसमर्पण की है, जब उन्होंने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों के साथ भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण किया था। यह आत्मसमर्पण 13 दिन चले युद्ध को समाप्त करता है और बांग्लादेश के निर्माण का कारण बना था।

गौहाटी एचसी ने ...

के लिए मजबूर किया गया था। पेटा इंडिया ने एसओपी के तहत अनुमत तिथियों के बाहर अवैध रूप से आयोजित होने वाली लड़ाइयों के कई उदाहरण भी प्रस्तुत किए थे, जिसमें तर्क दिया गया था कि वर्ष के किसी भी समय लड़ाई की अनुमति देने से जानवरों के साथ बहुत अधिक दुर्व्यवहार हो रहा है। पेटा इंडिया की प्रमुख कानूनी सलाहकार अरुणिमा केडिया ने कहा कि भैंस और बुलबुल कोमल जानवर हैं जो दर्द और आतंक महसूस करते हैं और वे भीड़ के सामने खूनी लड़ाई में मजबूर नहीं होना चाहते। पेटा इंडिया गौहाटी उच्च न्यायालय का आभारी है कि उसने लड़ाई के रूप में जानवरों के साथ क्रूरता को प्रतिबंधित किया है जो केंद्रीय कानून और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का स्पष्ट उल्लंघन है। गौहाटी उच्च न्यायालय ने ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में 5 आरोपियों को जमानत दी। पेटा इंडिया की ओर से हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि भैंसों और बुलबुलों की लड़ाई भारत के संविधान, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 और भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायात्रय के निर्णयों का उल्लंघन करती है, जिसमें एनिमल बेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया बनाम ए नागराजा का मामला भी शामिलत्र है। पेटा इंडिया ने यह भी कहा है कि इस तरह की लड़ाई स्वाभाविक रूप से क्रूर होती है, इसमें भाग लेने के लिए मजबूर किए गए जानवरों को अथाह दर्द और पीड़ा होती है, और अहिंसा और करुणा के सिद्धांतों का खंडन करती है, जो भारतीय संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग हैं। एक बयान में, पशु संरक्षण समूह ने दावा किया कि पेटा इंडिया द्वारा 16 जनवरी को असम के मोरीगांब जिले के आहतगुड़ी में हुई भैंसों की लड़ाई की जांच से पता चला कि भैंसों को लड़ने के लिए उकसाने के लिए, मालिकों ने उन्हें थप्पड़ मारे, धक्का दिया और धकेला; उन्हें लकड़ी के डंडों से मारा और उनकी नाक की रस्सी से खींचा ताकि वे एक-दूसरे के पास आ सकें। जब लड़ाई चल रही थी, तो कुछ मालिकों और संचालकों ने भेंसों को उइंडों से मारा और उन्हें और अधिक परेशान करने के लिए नंगे हाथों से मारा। भैंसों ने सींगों को आपस में भिड़ा दिया और लड़ाई की, जिससे उनकी गर्दन, कान, चेहरे और माथे पर खूनी घाव हो गए - कई के शरीर पर चोटें आईं। यह लड़ाई तब तक जारी रही जब तक कि दो भैंसों में से एक भेंस भाग नहीं गई। 15 जनवरी को असम के हाजो में हुई बुलबुल पक्षी लड़ाई की जांच से पता चला कि लाल-पेट वाली बुलबुल - जो वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची। के तहत संरक्षित हैं - को अवैध रूप से पकड़ा गया और उनकी प्राकृतिक प्रवृत्ति के विरुद, भोजन के लिए लड़ने के लिए उकसाया गया। कथित तौर पर कहा जाता है कि पक्षियों को लड़ाई से कई दिन पहले पकड़ा जाता है। संरक्षित जंगली पक्षियों को पकड़ना शिकार का एक रूप माना जाता है और यह अवैध है। इसमें कहा गया है।

संभल के बाद ...

चौकस हो गया। स्थानीय निवासियों के अनुसार मदनपुरा के मकान नंबर डी-31 के पास स्थित इस प्राचीन शिव मंदिर में पिछले 10 सालों से ताला बंद है। हिंदू संगठनों ने पुलिस अधिकारियों को पत्र लिखकर मंदिर को फिर से खोलने की मांग की है। दावा किया है कि इस मंदिर का उल्लेख काशी खंड में भी है। इस मंदिर पर मालिकाना हक किसका है और ताला किसने बंद कराया, पुलिस जांच में जुटी हुई है। मौके पर मौजूद महिलाओं ने कहा कि यह कोई विवाद का विषय नहीं है। यहां मंदिर है और इसे खुलना चाहिए, जिससे पूजा-पाठ शुरू हो सके। सनातन रक्षक दल के सदस्यों ने इस मामले में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप करने और मंदिर का ताला खुलवाने की मांग की है। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार मंदिर को लेकर सोशल मीडिया में पोस्ट साझा की गई। तब जाकर लोगों को इसके बारे में जानकारी हुई।

भारतीय महिला के ...

पर उन लोगों के लिए है, जो अल्ट्रा-लक्जरी ट्रीटमेंट और असाधारण अनुभव की तलाश में हैं। बोहो कैफे डीआईएफसी के एमिरेट्स फाइनेंशियल टावर्स में स्थित है। इस कैफे का मेन्यू सिर्फ गोल्ड चाय तक सीमित नहीं है। यहां गोल्ड स्मारिका कॉफी, गोल्ड-डस्टेड क्रोइसैन, गोल्ड ड्रिंक और गोल्ड आइसक्रीम जैसे प्रीमियम आइटम्स भी उपलब्ध हैं। इससे पहले उनकी *गोल्ड आइसक्रीम* भी खासी लोकप्रिय हो चुकी है। जब से *गोल्ड कड़क चाय* इंटरनेट पर वायरल हुई है, लोग इस पर मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा कि इस चाय को पीने के लिए तो ईएमआई लेनी पड़ेगी। वहीं, कई लोग इस चाय की कीमत और प्रजेंटेशन को देखकर हैरान हैं।

कम से कम तीन...

नहीं करेंगे। अभी तक केवल मस्जिद में शिवलिंग मिलता था अब घरों के अंदर भी मिलने लगा है। जहां शिवलिंग है वहां हम पूजा करेंगे ही। वहीं, विपक्षी दलों के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि वह भी संभल जाएं और शिवलिंग की पूजा करके आएं। उन्होंने कहा कि हिन्दुओं को बचाने के लिए आर्थिक शस्त्र के साथ ही ताकत का सहारा भी लेना पड़ेगा। बुलडोजर भी शांति का प्रतीक है।

मणिपुर के सीमावर्ती ...

कांगपोकपी और इंफाल पूर्वी जिले की सीमा पर स्थित मफिटल हिल की तलहटी में भारतीय सेना के बम निरोधक दस्ते और स्नाइपर डॉग की मदद से 21.5 किलोग्राम के पांच आईईडी बरामद किए गए। आईईडी जहां लगाया गया था, वहां निर्धारित समय पर विस्फोट हो जाता तो इससे निकटवर्ती तुमुखांग, मोयरानपुरेल, नोंगडैम तांगखुल और इथम गांवों की स्थानीय आबादी बड़े पैमाने पर हताहत हो जाती। आईईडी विशेष रूप से उन लोगों के लिए एक गंभीर खतरा था जो उन गांवों में मवेशी चराते थे या कृषि कार्य करते थे। पुलिस ने सोमवार को काकचिंग जिले के लमखाई इलाके से कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी- प्रोग्रेसिव (केसीपी-पीडब्ल्यूजी) के सक्रिय कैडर इरेंगबाम रामेश्वर सिंह (48) को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद इरेंगबाम रामेश्वर को पुलिस और सेना द्वारा काकचिंग ममांग सिंग लिपम लोकनोंग क्षेत्र के घने जंगल में बनाए गए एक अस्थायी शिविर में ले जाया गया। उस शिविर से केसीपी-पीडब्ल्यूजी के सात और सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया गया।

गुफा मामला : केएसयू ...

लिए पुनः खोलने की मांग करने तथा 10 दिन का अल्टीमेटम जारी करने के बाद आया है। केएसयू के अध्यक्ष लाम्बोकस्टार मार्नगर ने कहा कि मावजिम्बुइन गुफा एक पर्यटन स्थल है और इसे धार्मिक अनुष्ठानों के लिए नहीं खोला जा सकता। केएसयू अध्यक्ष ने बताया कि हिंदू श्रद्धालुओं को इस स्थल पर पूजा-अर्चना करने से रोकने का निर्णय अगस्त 2024 में मौसिनराम दोरबार श्नोंग द्वारा लिया गया था। उन्होंने राज्य को धमकाने के खिलाफ चेतावनी दी। इससे पहले शिक्षा मंत्री रक्कम ए. संगमा ने स्थानीय मुद्दों के प्रति समझ और संवेदनशीलता का आह्वान किया। मेघालय सरकार पर इस मामले में कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए हिंदू संगठन ने धमकी दी कि यदि 25 दिसंबर से पहले उनकी मांग पूरी नहीं की गई तो वे जोराबाट (गुवाहाटी के पास) और पैकन (ग्वालपाड़ा के पास) सड़कों सहित मेघालय के प्रमुख मार्गों को अवरुद्ध कर देंगे। मंत्री संगमा ने स्थानीय लोगों की भावनाओं को समझने का आग्रह किया और कहा कि राम मंदिर के पास चर्च की सेवाएं आयोजित करना *अच्छा नहीं लगेगा*। उन्होंने असम में चल रही स्थिति को स्वीकार करते हुए जो हम कहते हैं, उसका पालन करने के महत्व पर जोर दिया।

विकास के 12 दिन के माध्यम से राज्य को विकास का संदेश : मंत्री रंजीत दास

बंगाईगांव (हिंस)। असम सरकार के मंत्री रंजीत दास ने कहा है कि असम के प्रत्येक जिले के विकास और उज्जवल भविष्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा, उद्योग, वित्त और राजस्व विभाग की योजनाओं को जोड़ते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की उल्लेखनीय पहल *विकास के 12 दिन* के अंतर्गत मंगलवार को बंगाईगांव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल होकर अत्यंत प्रसन्न हूं। मंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि बंगाईगांव जिले के शैक्षणिक संस्थानों से हाई स्कूल अंतिम परीक्षा में 75 फीसदी या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल 424 छात्रों को *आनंदराम बरुवा पुरस्कार* के तहत 12,500 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में जिले के कुल 39 शैक्षणिक संस्थानों से उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में 60 फीसदी या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले

कुल 747 छात्रों को *डॉ. बाणीकांत काकती पुरस्कार* के तहत स्कूटी वितरित की गई। इसके अलावा, जिले में 9वीं कक्षा में अध्ययनरत कुल 8,059 छात्रों को साइकिल प्रदान की गई।

ग्वालपाड़ा में मंत्री अशोक सिंघल ने बाढ़ पीड़ितों को वितरित की सहायता

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा शहर के डीआईसी मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम में मंत्री अशोक सिंघल ने बाढ़ प्रभावित लोगों को सहायता वितरित की। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की सरकार द्वारा चलाई जा रही विशेष 12 दिवसीय कार्यक्रम श्रृंखला के तहत आज दूसरे दिन ग्वालपाड़ा के उद्योग और वाणिज्य विभाग कार्यालय के मैदान में यह सभा आयोजित हुई। इस कार्यक्रम में असम सरकार के स्वास्थ्य एवं जल संसाधन मंत्री अशोक सिंघल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने बाढ़ पीड़ित लोगों को चेक प्रदान किए। इसके साथ ही माइक्रोफाइनेंस ऋण माफी योजना के अंतर्गत महिला आत्म-सहायता समूहों को बैंक प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

प्रथम बटालियन एनडीआरएफ में हुई अंतर क्षेत्रीय योग प्रतियोगिता-2024

गुवाहाटी (हिंस)। चार पूर्वोत्तर राज्यों (असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा) में आपदा और आपदा जैसी स्थितियों से निपटने के अलावा प्रथम बटालियन एनडीआरएफ में विभिन्न व्यावसायिक और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। आज आपदा प्रतिक्रिया बटालियन ने अंतर क्षेत्रीय योग प्रतियोगिता-2024 के सफल समापन की घोषणा करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है। यह चैंपियनशिप 16-17 दिसंबर, को कोय लोकेशन डाइट मिर्जा, कामरूप, असम में आयोजित की गई थी। इस आयोजन में 2, 7, 10 और 11 बटालियन एनडीआरएफ के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने शानदार एकाग्रता, शक्ति और संतुलन का प्रदर्शन किया। दो दिनों तक चले रोमांचक माहौल में, प्रतियोगियों ने शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा की

और द्वितीय बटालियन एनडीआरएफ की टीम विजयी रही। चैंपियनशिप के मुख्य अतिथि और संरक्षक प्रथम बटालियन राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के कमांडेंट एचपीएस कंडारी ने सभी प्रतिभागियों को आमंत्रित किया, उन्हें ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रबंधन समिति की सराहना की।

गोरेश्वर में मंत्री नंदिता गार्लोसा ने किया *खेल महारण 2.0* का शुभारंभ

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर जिला प्रशासन के तत्वावधान में गोरेश्वर में खेल महारण 2.0 का आयोजन किया गया। गोरेश्वर विधानसभा क्षेत्र के 27 वीसीडीसी को शामिल करते हुए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। असम सरकार के खेल और युवा कल्याण विभाग के संचालन में 20 दिसंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन गोरेश्वर उच्चतर माध्यमिक खेल मैदान में मंत्री नंदिता गार्लोसा ने ओलंपिक मशाल जलाकर किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मंत्री नंदिता गार्लोसा ने कहा कि *खेल महारण* सरकार का एक महत्वपूर्ण मिशन बन चुका है। इसके माध्यम से सरकार छात्रों को एक बड़ा मंच प्रदान कर रही है और असम में खेल संस्कृति को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम छात्रों को खेल के प्रति प्रेरित करेगा। मंत्री ने इस अवसर पर छात्रों के साथ संवाद भी किया। चार दिवसीय इस कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र के कुल 3500 छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर खेल और युवा कल्याण विभाग के निदेशक प्रदीप तुमुंग, बीटीआर के ईएम रनेन्द्र नार्जारी, पार्षद पवित्र कुमार बोड़ो, तामुलपुर जिले के आयुक्त पंकज चक्रवर्ती, पुलिस अधीक्षक दिगंत कुमार चौधरी और गोरेश्वर राजस्व सर्कल अधिकारी मानसज्योति बोरा समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कामरूप (मेट्रो) में बुजुर्ग देखभाल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। असम के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तहत कामरूप (मेट्रो) जिले के जिला सामाजिक कल्याण अधिकारी कार्यालय द्वारा बुजुर्ग देखभाल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 17 और 18 दिसंबर को पीडब्ल्यूडी कन्वेंशन हॉल और ट्रेनिंग सेंटर, दिसपुर में किया गया। इस कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक भास्कर ज्योति महंत ने मुख्य अतिथि के रूप में और जिला विकास आयुक्त (डीडीसी), कामरूप (मेट्रो), परिजात भुइयां ने विशेष अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई। जिला सामाजिक कल्याण अधिकारी संतोष कुटुम ने कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया और इसके बाद निदेशक भास्कर ज्योति महंत ने उद्घाटन भाषण दिया। अपने मुख्य संबोधन में निदेशक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए अटल वयो अभ्युदय योजना और अन्य सरकारी योजनाओं व सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया, जो बुजुर्ग आबादी के लिए उपलब्ध हैं। परिजात भुइयां ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत

मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, आहार विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपी, और सॉफ्ट स्किल्स जैसे क्षेत्रों के अनुभवी विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने बुजुर्ग देखभाल से संबंधित विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए। कार्यक्रम में आईसीडीएस सुपरवाइजरों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, एएनएम, आशा अधिकारियों, वन स्टॉप सेंटर, और वृद्धाश्रम/मानसिक रूप से कमजोर देखभाल गृहों के कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बुजुर्गों की देखभाल में शामिल कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें जागरूक और सक्षम बनाना था, ताकि बुजुर्गों के लिए बेहतर सुविधाएं और सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें।

बांग्लादेशी महिला को पकड़कर भेजा वापस

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस ने भारत-बांग्लादेश सीमा के पास से एक बांग्लादेशी महिला को पकड़ा और बाद में उसे बांग्लादेश वापस भेज दिया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी दी है। डॉ. शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सतर्कता दिखाते हुए की गई इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर सतर्कता दिखाते हुए, आसमा अख्तर नामक बांग्लादेशी महिला को अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास से पकड़ा गया और उसे सीमा पार वापस भेज दिया गया।

रंगिया: सामुहिक भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास

रंगिया (विभास)। रंगिया सम -जिला के अंतर्गत बरमुरा गांव के खानापाड़ा सुबुरी नामघर परिसर में सोमवार को असम अनुसूचित जाति (एससी) कल्याण अधिकारी के माध्यम से असम सरकार की पांच लाख रुपए की राशि के अनुदान से बनाए जाने वाले एक सामुदायिक भवन का शिलान्यास किया गया। जोकि महकमा अनुसूचित जाति विकास बोर्ड के अध्यक्ष जादव वरुआ एवं बोर्ड के सदस्य रिंकू वैश्य द्वारा किया गया। आयोजित कार्यक्रम का संचालन अजान बैश्य एवं अमूल्य बैश्य ने किया। इस मौके पर ग्राम विकास समिति के सलाहकार गोलोक चंद्र बैश्य, समिन्द्र नाथ बैश्य एवं अध्यक्ष तरूण चंद्र बैश्य ने भाषण प्रदान किया। इस आयोजन में ग्राम विकास समिति के पदाधिकारियो सहित, सुबुरि के कई लोग उपस्थित रहे। इस दौरान ग्राम विकास समिति द्वारा असम सरकार और अनुसूचित जाति कल्याण संचालक साथ ही रंगिया महकमा अनुसूचित जाति विकास बोर्ड के अध्यक्ष और रंगिया महकमा सिविल अस्पताल के उप-अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार वैश्य को हार्दिक धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। बैठक में गोलोक वैश्य, समिन्द्र नाथ वैश्य, तरूण चंद्र वैश्य और अमूल्य वैश्य ने भाषण दिया। अनुदान अस्पताल के उप-अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार वैश्य और कर्मचारी अमूल्य वैश्य एवं धीरेन वैश्य के अथक प्रयास से प्राप्त हुआ होने की बात अध्यक्ष द्वारा बताई गई।

रंगिया में 8 ग्राम ड्रग्स सहित दो गिरफ्तार

रंगिया (निसं)। रंगिया पुलिस ने आज आठ ग्राम संदिग्ध ड्रग्स सहित दो युवकों को धर दबोचा। पकड़े गए दोनों युवकों की पहचान बिकी अली (21) तथा मनोवर हुसैन (22) के रूप में की गई। मिली जानकारी के अनुसार निकटवर्ती तामुलपूर जिले के भवरागुड़ी निवासी बताए गए है। पुलिस ने तलाशी में इनके पास से छह कंटेनर में भर्ति 8 ग्राम संदिग्ध ड्रग्स बरामद किया है। फिलहाल पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है।

महिला को बंधक बनाकर प्रताड़ना का आरोपी गिरफ्तार

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के लिडो में महिला को बंधक बनाने और उसको प्रताड़ित करने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि लिडो मोलांग गांव में तीन दिनों तक बंधक बनाकर रखी गई महिला को बचाया गया है। आरोपी अली हुसैन को हिरासत में लिया गया है। हुसैन लिडो के तिराप का निवासी बताया गया है। उसपर अवैध कोयला व्यापार में शामिल होने का आरोप रहा है। महिला के अनुसार, पीड़ित महिला और उसके परिवार के सदस्य अक्सर हुसैन की मछली फार्म पर घास इकट्ठा करने के लिए जाते थे। 14 दिसंबर को, महिला फार्म पर गई, जहां आरोपी ने उसे चाय पिलाने के बहाने एक अलग कमरे में चलने को कहा। कमरे के अंदर, हुसैन ने पानी में एक नशीला पदार्थ मिलाया और उसे पीने के लिए महिला को मजबूर किया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उसे कमरे में बंधक बना लिया गया और तीन दिनों तक उसके साथ बार-बार प्रताड़ना किया गया। इस बीच, उसकी लंबे समय तक अनुपस्थिति को लेकर उसके परिवार वाले परेशान हो गए। उसकी तलाश शुरू कर दी। उसके छोटे भाई को आखिरकार एक खाली इमारत से महिला की आवाज सुनाई दी।

रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट से घुटने के दर्द पर जीत पाएं

गुवाहाटी। क्या आप लगातार घुटने के दर्द से जूझ रहे हैं जो आपके जीवन को बाधित करता है? घुटने के रिप्लेसमेंट सर्जरी इसका जवाब हो सकती है। अगर घुटने का पुराना दर्द आपको दैनिक गतिविधियों का आनंद लेने से रोकता है, तो आपको अपने डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए। वे आपकी स्थिति का आकलन कर सकते हैं और यह निर्धारित कर सकते हैं कि घुटने का रिप्लेसमेंट आपको गतिशीलता की नई भावना और जीवन की बेहतर गुणवत्ता प्रदान कर सकता है या नहीं। यह प्रक्रिया घिसे हुए जोड़ों के हिस्सों को टिकाऊ धातु और प्लास्टिक के प्रत्यारोपण से बदल देती है, विशेष रूप से गंभीर ऑस्टियोआर्थराइटिस के कारण होने वाले दर्द को लक्षित करती है। जबकि न्यूनतम इनवेसिव तकनीकें उपलब्ध हैं, कुछ रिकवरी समय और भौतिक चिकित्सा शामिल है। आंशिक घुटने का प्रतिस्थापन, विशेष रूप से रोबोटिक सहायता के साथ, परिवर्तनकारी है। रोबोटिक प्रक्रिया केवल क्षतिग्रस्त घुटने के हिस्से को बदल देती है, और एक ही डिब्बे में गठिया के लिए आदर्श है, जो दर्द को कम करने और रिकवरी को गति देने में मदद करती है। रोबोट-सहायता प्राप्त सर्जरी के लिए सटीकता और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। यह प्रक्रिया के दौरान सर्जन को मार्गदर्शन करने के लिए एक कंप्यूटर सिस्टम और एक रोबोटिक हाथ का उपयोग करती है। यह सर्जरी से पहले सीटी स्कैन के माध्यम से घुटने का एक 3ष्ठ मॉडल बनाता है, जिससे प्रत्यारोपण की स्थिति की सटीक प्री-ऑपरेटिव योजना बनाने की अनुमति मिलती है। सर्जरी के दौरान, रोबोटिक हाथ प्रत्यारोपण प्लेसमेंट के लिए हड्डी की सतह को ठीक से तैयार करने में सर्जन की सहायता करता है। इस बढ़ी हुई सटीकता से संभावित रूप से कई लाभ हो सकते हैं। सबसे पहले, रोबोटिक घुटने के प्रतिस्थापन से प्रत्यारोपण संरेखण में सुधार हो सकता है। सटीक प्लेसमेंट घुटने के जोड़ को अधिक प्राकृतिक महसूस करने में योगदान दे सकता है और संभावित रूप से प्रत्यारोपण पर घिसाव को कम कर सकता है, जिससे जीवनकाल लंबा हो सकता है। दूसरे, रोबोटिक सहायता के साथ अक्सर न्यूनतम इनवेसिव तकनीकों का उपयोग किया जाता है, जो छोटे चीरों और न्यूनतम आघात के कारण तेजी से ठीक होने और कम पोस्ट-ऑपरेटिव दर्द में तब्दील हो सकता है। यह अनुकूलित दृष्टिकोण सर्जिकल परिणामों को बेहतर बनाता है और तेजी से ठीक होने को सुनिश्चित करता है। *यदि घुटने का दर्द आपको प्रभावित करता है, तो रोबोटिक लाभ पर विचार करें और आर्थोपेडिक सर्जरी के भविष्य को अपनाएं,* अपोलो हॉस्पिटल्स, चेन्नई के वरिष्ठ परामर्शदाता, आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. कुणाल पटेल ने निष्कर्ष निकाला, जिन्होंने 3000 से अधिक सफल घुटने और कूल्हे के प्रतिस्थापन किए हैं।

रंगिया में 26 को पहुंचेगी अखंड भारत भ्रमण दिव्य ज्योत यात्रा

रंगिया (विभास)। *अखिल भारतीय ढांढणवाली टीडा गेला दादीजी का 25वां रजत बसंतोत्सव* के उपलक्ष्य में अखंड भारत भ्रमण हेतु *दिव्य ज्योत यात्रा* का श्री रथ दिनांक 11 दिसंबर को ढांढण धाम से प्रस्थान हो चुका है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में दिव्य ज्योत रथयात्रा का आगमन दिनांक 19 दिसंबर को सिलीगुड़ी में प्रवेश करते हुए बंगाईगंव, उदालगुड़ी, इटानगर, डिब्रूगढ़, नौगांव, गुवाहाटी से होते हुए आगामी 26 दिसंबर को सुबह 10 बजे रंगिया पहुंचेगा।

समाजबंधु रमेश बजाज और मुकेश बजाज द्वारा बताया गया है कि उक्त यात्रा के *श्री रथ* का दिनांक 26 दिसंबर, गुरुवार को रंगिया नगरी में भव्य स्वागत किया जाएगा। सुबह 10 बजे *श्री रथ* का स्वागत एवं अल्प विश्राम स्थान श्री श्रीराधा कृष्ण मंदिर प्रांगण में किया जाएगा। वहीं दोपहर 12:15 बजे मंदिर प्रांगण से रंगिया राष्ट्रीय राजमार्ग तक *श्री रथ* का भव्यतापूर्ण शोभा यात्रा के साथ नलबाड़ी के लिए प्रस्थान कराया जाएगा। इस मौके पर श्री टीडा गेला दादी परिवार, रंगिया द्वारा सभी भक्तों के साथ साथ समस्त सनातन धर्मावलंबियों को उपरोक्त स्वर्णिम आयोजन में सपरिवार पधारने का निवेदन किया गया है।

लामडिंग में वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन की शाखा गठित

होजाई (निसं)। होजाई जिला के लामडिंग में रविवार को वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन की शाखा का गठन विधिवत संपन्न हुआ। स्थानीय आजाद हिंद लाइब्रेरी के सभागार में विशिष्ठ समाज सेवक रत्नेश्वर राय की अध्यक्षता में आयोजित सभा में होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. गुणेश्वर सईकिया, उप-सभापति दिलीप वर्धन, सहकारी सचिव नजरुल इस्लाम सहित कई पदाधिकारी व वरिष्ठ जन उपस्थित थे। प्रात: 11 बजे असम संगीत के साथ सभा का शुभआरंभ हुआ। सभा में उपस्थित लामडिंग के विधायक शिबू मिश्रा ने सभी उपस्थित वरिष्ठजनों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए लामडिंग शहर में वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन की शाखा के गठन के प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि वरिष्ठजनों का हमें हमेशा सम्मान करना चाहिये। मिश्रा ने कहा कि वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन से समाज आगे बढ़ेगा। उन्होने भविष्य में वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन

को पूर्ण सहयोग देने की बात कही। वहीं होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के सचिव अनुप कुमार बरठाकुर ने असम वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के संविधान के बारे में उपस्थितजनों को विस्तार से बताया। उन्होने कहा कि वर्तमान में देश में 15 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिक विभिन्न समस्याओं से जुझ रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के माध्यम से वरिष्ठजनों को मर्यादा पूर्ण जीवन जीने का अवसर मिले। तत्पश्चात आपसी विचारविमर्श के पश्चात् लामडिंग वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन की शाखा के गठन का सिद्धांत लिया गया जिसमें अध्यक्ष रत्नेश्वर राय, कार्यकारी अध्यक्ष सुवोध चक्रवर्ती, उप-सभापति द्वय-देवाशीष गुप्त व विकाश ज्योति भट्टाचार्य, सचिव प्रदीप चंद्र शर्मा, सह-सचिव स्वपन पाल, सांगठनिक सचिव-विमल पाल, वित-सचिव-अब्दुल जलील सहित 17 सदस्यों की कार्यकारिणी का गठन हुआ।

चिरांग में विकास के 12 दिन : मेधावी विद्यार्थियों को साइकिल, स्कूटर और नकद पुरस्कार वितरित किए गए

विकसित भारत समाचार

चिरांग। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा राज्य भर में चलाए जा रहे *विकास के 12 दिन* पहल के तहत मंगलवार को चिरांग जिला परेड ग्राउंड में वितरण समारोह आयोजित किया गया, जहां डॉ. बानिकांत काकाती और आनंदराम बरुवा पुरस्कार 2024 के तहत योग्य छात्रों को साइकिल, स्कूटर और चेक प्रदान किए गए। आनंदराम बरुवा मैरिज छात्रवृत्ति के तहत कुल 370 छात्रों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए नकद पुरस्कार दिए गए। परिवहन चुनौतियों को कम करने और शिक्षा को प्रोत्साहित करने के प्रयास में, मुख्यमंत्री की विशेष योजना के तहत कक्षा 9 के छात्रों को 5,938 साइकिलें वितरित की गईं। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को उनके स्कूलों तक आसान पहुंच प्रदान करना है। प्रज्ञान भारती योजना के अंतर्गत डॉ. बानिकांत काकती मैरिज पुरस्कार के तहत, उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाली छात्राओं और 75 प्रतिशत

या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को 580 स्कूटर वितरित किए गए। इस कदम से न केवल छात्रों के लिए आवागमन आसान होगा, बल्कि उन्हें गर्व की भावना भी मिलेगी और आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। मंत्री उरखाओ ग्वारा ब्रह्मा ने छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और शिक्षकों, अभिभावकों और संपूर्ण शिक्षा प्रणाली से इन युवा उपलब्धि प्राप्त करने वालों का समर्थन जारी रखने का आग्रह किया। उन्होंने छात्र कल्याण के लिए असम सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, जिसमें आत्मनिर्भर असम अभियान योजना भी शामिल है, जिसका उद्देश्य स्थानीय उद्यमियों को सशक्त बनाना और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। विधायक अजय कुमार रे ने ऐसी योजनाओं को लागू करने में उनके दृष्टिकोण और प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और छात्रों से इन अवसरों का उपयोग उज्ज्वल भविष्य के लिए करने का आग्रह किया। जिला आयुक्त जतिन बोरा ने इन विकास योजनाओं के महत्व पर जोर दिया और उन्हें चिरांग और असम के छात्रों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य को आकार देने के लिए महत्वपूर्ण बताया। समारोह में सिडली विधायक निर्मल कुमार ब्रह्मा, बीटीसी ईएम धनंजय बसुमतारी, बीटीसी ईएम सैकोंग बसुमतारी, एमसीएलए प्रदीप कुमार बायन, एडीसी चिरांग फिरदौस आलम शेख और स्कूल निरीक्षक बिजॉय बैष्णैव सहित कई गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

संपादकीय

'भगदड़' एक सरकारी नाकामी

आज भीड़-प्रबंधन की बात करते हैं, क्योंकि यह व्यापक स्तर पर इनसानी मौतों से जुड़ा मुद्दा है और उसके प्रति लापरवाही का रवैया रहा है। देश के कई हिस्सों में भीड़-प्रबंधन की नाकामी और नालायकी के कारण भगदड़ मचती रही है। अक्सर पुलिस की नाकामी करार दी जाती रही है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 2014 में 95 पन्नों के दिशा-निर्देश जारी किए थे कि भीड़ को भगदड़ में तबदील होने से कैसे रोका जाए? इसी साल नरेंद्र मोदी पहली बार देश के प्रधानमंत्री चुने गए थे। इन दिशा-निर्देशों के बावजूद भगदड़ें मचती रही हैं। इसी साल जुलाई में हाथरस (उप्र) में एक धार्मिक सत्संग में भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ में करीब 125 मौतें हो गईं। सिर्फ आयोजकों को जेल में डाल कर घटना की इतिश्री कर दी गई। हाल ही में हैदराबाद में 'पुष्पा-2' फिल्म के प्रीमियर पर भीड़ अनियंत्रित हो गई, कुछ मौतें हो गईं, पुलिस ने अभिनेता अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। क्या भगदड़ का कारण यही था? दरअसल अंग्रेजी में जिस शब्द का अर्थ 'भगदड़' है, वह घोड़ों और पशुओं की भगदड़ है, जो डर कर या उत्तेजित होकर एक ही दिशा में भागने लगते हैं। तब भगदड़ मच जाती है। 'इनसानी भगदड़' कुछ और है, उसके कारण भी भिन्न हैं, उनके लिए यह बहाना नहीं बनाया जा सकता कि सरकार ने दिशा-निर्देश जारी नहीं किए अथवा पुलिस, प्रशासन को उचित प्रशिक्षण नहीं दिया गया अथवा सरकार का रवैया संवेदनशील नहीं है। फिल्म 'पुष्पा-2' के संदर्भ में वह भगदड़ नहीं थी, बल्कि भीड़ की कुचलन की स्थिति थी, क्योंकि जिनकी मौतें हुई हैं, उनके शरीरों पर पैरों से कुचलने, रौंदने या चोट के निशान नहीं थे। यानी भीड़ इतनी ज्यादा और अनियंत्रित थी कि लोग सांस लेने में असमर्थ रहे, नतीजतन मौतें हुईं। ऐसी कुचलन की स्थितियां भी पैदा नहीं होनी चाहिए। भारत में पहली भगदड़, देश की आजादी के बाद, 1954 के महाकुंभ के दौरान मची थी, जिसमें करीब 800 लोग मारे गए थे। वह पहली राष्ट्रीय त्रासदी थी। 2019 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने इस त्रासदी को भी चुनावी मुद्दा बनाया और उस कुप्रबंधन के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और कांग्रेस को आरोपित किया, जमकर कोसा। भारत के आधुनिक इतिहास में वह अभी तक की सबसे त्रासद भगदड़ थी। आज हमारे पास दिशा-निर्देश हैं, कम्प्यूटर विजन सिस्टम है, जो भीड़ से उत्पन्न होने वाले जोखिमों के प्रति सचेत करता है, लेकिन सरकारों और पुलिस का रवैया रहा है-'सब चलता है।' राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने खुलासा किया है कि अब भी भगदड़ की नौबत आती रहती है, क्योंकि अधिकतर सरकारों ने दिशा-निर्देश लागू ही नहीं किए हैं। यह बेहद गंभीर लापरवाही है। एक-एक इनसान और नागरिक देश के लिए मूल्यवान है। उन्हें भगदड़ में कुचला या मारा नहीं जा सकता। इस नालायकी और अनदेखी के लिए राज्य सरकारों को दंडित करने का प्रावधान भी होना चाहिए। संसद में उस प्रावधान को पारित किया जाए, ताकि कोई भी सरकार संघीयवाद के हनन का आरोप न लगा सके। भगदड़ की स्थिति से निपटने के लिए 'मॉक ड्रिल' की जाएं और मजबूत, ठोस संस्थानगत प्रणालियां विकसित की जाएं, ताकि पुलिस और प्रशासन के बूते ही न रहना पड़े। 'मॉक ड्रिल' के साथ-साथ बड़ी भीड़ के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का भी इस्तेमाल किया जाए। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) और कम्प्यूटर विजन का इस्तेमाल भी किया जाए।

> देश के कई हिस्सों में भीड़-प्रबंधन की नाकामी और नालायकी के कारण भगदड़ मचती रही है। अक्सर पुलिस की नाकामी करार दी जाती रही है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 2014 में 95 पन्नों के दिशा-निर्देश जारी किए थे कि भीड़ को भगदड़ में तबदील होने से कैसे रोका जाए? इसी साल नरेंद्र मोदी पहली बार देश के प्रधानमंत्री चुने गए थे। इन दिशा-निर्देशों के बावजूद भगदड़ें मचती रही हैं। इसी साल जुलाई में हाथरस (उप्र) में एक धार्मिक सत्संग में भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ में करीब 125 मौतें हो गईं। सिर्फ आयोजकों को जेल में डाल कर घटना की इतिश्री कर दी गई। हाल ही में हैदराबाद में 'पुष्पा-2' फिल्म के प्रीमियर पर भीड़ अनियंत्रित हो गई, कुछ मौतें हो गईं, पुलिस ने अभिनेता अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। क्या भगदड़ का कारण यही था? दरअसल अंग्रेजी में जिस शब्द का अर्थ 'भगदड़' है, वह घोड़ों और पशुओं की भगदड़ है, जो डर कर या उत्तेजित होकर एक ही दिशा में भागने लगते हैं। तब भगदड़ मच जाती है।

कांग्रेस को सीधे-सीधे सलाह दे डाली कि ईवीएम का रोना छोड़ो और अपनी हार को स्वीकार कर लो

अपनों के निशाने पर आने के बाद क्या अब नीतियों में बदलाव लाएगी कांग्रेस ?

उमेश चतुर्वेदी

> प्रियंका के इस बयान के ठीक बाद सामने आए उमर अब्दुल्ला के ये शब्द महज बयान नहीं है, बल्कि इसके कई राजनीतिक अर्थ हैं। उमर के इस बयान को ममता बनर्जी और रामगोपाल यादव की अभिव्यक्ति की अगली कड़ी के रूप में रखा जा सकता है। यहां एक बार फिर दोहरा देना उचित ही होगा कि इंडिया गठबंधन के अघोषित अगुआ को रूप में राहुल गांधी को नकार चुकी हैं और समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव कांग्रेस की अगुआई को ही नकार चुके हैं।

संविधान पर संसद में विशेष बहस पर अपने नेताओं प्रियंका वाड्रा और राहुल गांधी के भाषणों को लेकर जिस वक्त कांग्रेस गद्गद् हो रही थी, उसी वक्त उस पर कश्मीर की वादियों से सियासी गर्मी का जबर्दस्त झोंका आया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को सीधे-सीधे सलाह दे डाली कि ईवीएम का रोना छोड़ो और अपनी हार को स्वीकार कर लो। दिलचस्प यह है कि लोकसभा के अपने पहले भाषण में संविधान पर चर्चा के दौरान प्रियंका वाड्रा ने कहा था कि ईवीएम हटा दो, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। प्रियंका के इस बयान के ठीक बाद सामने आए उमर अब्दुल्ला के ये शब्द महज बयान नहीं है, बल्कि इसके कई राजनीतिक अर्थ हैं। उमर के इस बयान को ममता बनर्जी और रामगोपाल यादव की अभिव्यक्ति की अगली कड़ी के रूप में रखा जा सकता है। यहां एक बार फिर दोहरा देना उचित ही होगा कि इंडिया गठबंधन के अघोषित अगुआ को रूप में राहुल गांधी को नकार चुकी हैं और समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव कांग्रेस की अगुआई को ही नकार चुके हैं। उमर अब्दुल्ला ने अपने बयान के जरिए एक तरह से साफ कर दिया है कि कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व में उनका भरोसा नहीं है। आज की राजनीति जिस बिंदु पर पहुंच चुकी है, उसमें अगुआ की हर गलत-सही बात का समर्थन करना ही अनुयायियों की पहली शर्त बन गई है। तार्किक आधार पर समर्थन और विरोध की सोच को हमारे समाज ने सिरे से नकार दिया है। यह नकार राजनीति में सबसे ज्यादा नजर आता है। अगुआ की बात को अनुयायी ने स्वीकार नहीं किया तो उसे सीधे-सीधे नाफरमानी या अनुशासनहीनता माना जाता है। दलीय व्यवस्था में ऐसे नकार की सजा निष्कासन और निलंबन तय है। चूंकि इंडिया गठबंधन औपचारिक कोई दल नहीं, बल्कि दलों का समूह है, लिहाजा यहां वैसी अनुशासनिक व्यवस्था नहीं है। इसके बावजूद मोटे तौर पर गठबंधनों के बीच एक समझ रही है कि गठबंधन और उसके अगुआ की सेहत पर असर ना पड़े, ऐसी बयानबाजी से दूर रहा जाए। लेकिन ममता बनर्जी, रामगोपाल यादव और उमर अब्दुल्ला के बयान के संदेश साफ हैं। संदेश यह है कि कांग्रेस की अगुआई में उन्हें नरेंद्र मोदी को चुनौती दे पाने की ताकत राहुल गांधी में नहीं दिखती। इन बयानों का एक संदेश यह भी है कि राहुल गांधी की अगुआई में इन दलों का कम से कम राष्ट्रीय स्तर पर कोई भविष्य नहीं है। लेकिन उमर अब्दुल्ला इससे आगे का

भी संकेत दे रहे हैं। ईवीएम के बहाने वे कांग्रेस को यह भी संदेश दे रहे हैं कि 'मीठा-मीठा गप और कड़वा-कड़वा थू' की वैचारिक सोच वाली राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। यह कैसे हो सकता है कि जिस ईवीएम के सहारे आप अमेठी और वायनाड जीतने के बाद आप जश्न में डूब सकते हैं, जिसके सहारे 55 से 99 सीटों पर पहुंच जाते हैं तो इसे अपनी भारी जीत बताते हैं, जिस ईवीएम के ही सहारे जब आप कर्नाटक, हिमाचल और झारखंड और यहां तक कि कश्मीर जीत जाते हैं तो इसे नरेंद्र मोदी की हार बताने लगते हैं, लेकिन अगर चुनावी रणनीति में मात खाने के बाद सत्ता की दौड़ में पीछे रह जाते हैं तो ईवीएम को दोषी ठहराने लगते हैं। यह दोहरापन नहीं चलने वाला। इसे जनता भी समझने लगी है। अगर ईवीएम पर इतना ही संदेह है तो संदेह करने वाले दलों को चाहिए कि वे ईवीएम के जरिए होने वाले चुनावों का बहिष्कार करें। इसके बाद अगर चुनाव होगा तो निश्चित है कि इस चुनाव की पवित्रता सवालों के घेरे में आ जाएगी। अगर ईवीएम पर संदेह करने वाले दल चुनाव प्रक्रिया से बाहर हो जाएं तो विपक्ष विहीन चुनाव को जनता भी स्वीकार नहीं कर पाएगी और उस चुनाव को सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अंग नहीं माना जा सकेगा। ऐसे में सरकार और चुनाव आयोग दबाव में आ सकते हैं। लेकिन ऐसा करने के लिए ईवीएम पर संदेह करने वाले दलों में साहस होना चाहिए। दुर्भाग्य से ऐसा साहस कोई दल दिखाता नजर नहीं आ रहा। इसकी वजह यह है कि कोई भी दल संसदीय राजनीति के उस रसूख को छोड़ने का साहस नहीं रखता, जो उसे सांसद या विधायक बनने के बाद हासिल होता है। इन दलों और उनके नेताओं को पता है कि संसद और विधानमंडल से बाहर रहने के बाद उनकी बातें गौर से सुनीं नहीं जातीं और उनके शब्दों को तवज्जो भी नहीं मिलता।

इसलिए वे ईवीएम पर सवाल भी उठा रहे हैं और उसी ईवीएम के जरिए संसदीय कुर्सियों पर भी काबिज रहना चाहते हैं। यह भी एक तरह से चारित्रिक दोहरापन ही है और उमर अब्दुल्ला का यह बयान उस दोहरापन से खुद को अलग करने की कोशिश भी हो सकता है। वैसे कांग्रेस के लोगों से ऑफ द रिकॉर्ड बात कीजिए तो वे भी मानते हैं कि चाहे ईवीएम का मुद्दा हो या किसानों का आंदोलन, उनके लिए सिर्फ कवरअप के मुद्दे हैं। कवरअप यानी बचाव का मुद्दा। पार्टी के अंदरूनी सूत्र भी मानते हैं कि जिन कृषि कानूनों के विरोध में कांग्रेस राजनीति कर रही है, उन्हें उसकी ही सरकार ने तैयार किया था। ईवीएम का चलन 2004 में पूरी तरह शुरू हुआ। जिसमें कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी यूपीए को जीत मिली थी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे। तब तो कांग्रेस को यह जीत बहुत पसंद आई थी। इसके अगले यानी 2009 के चुनाव में भी यूपीए को दूसरी बार जीत मिली। तब भी ईवीएम पर कम से कम कांग्रेस की ओर से सवाल नहीं उठा। तब लालकृष्ण आडवाणी खेमे की ओर से ईवीएम पर सवाल उठा तो उसे सिरे से खारिज कर दिया गया। इसके बाद आडवाणी के लोगों ने उसे तूल नहीं दिया। लेकिन 2014 के बाद से लगातार ईवीएम पर कांग्रेस की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। जबकि कांग्रेस भी जानती है कि ईवीएम में दोष नहीं है, उसकी नीतियों में ही कमी है, जिसकी वजह से वोटर उसे स्वीकार नहीं कर पा रहा है। ऑफ द रिकॉर्ड अगर कांग्रेसी नेताओं से बात होती है तो वे मानते हैं कि किसान कानून और ईवीएम का विरोध दरअसल उसके लिए बचाव के मुद्दे हैं। कांग्रेस इन मुद्दों के जरिए अपनी नाकामियां छिपाती रहती है। उदाहरण के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव के हालिया बयान को लेकर उनके खिलाफ कपिल सिब्बल की अगुआई में महाभियोग चलाना कुछ-कुछ वैसा ही मामला होने जा रहा है, जैसा 1986 में शाहबानो को गुजारा भत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए संसद से नया कानून बना दिया गया था। बहुसंख्यक सोच जबकि इसके खिलाफ थी, कुछ इसी तरह शेखर यादव के बयान को लेकर महाभियोग चलाने के फैसले से बहुसंख्यक वोट बैंक सहमत नहीं है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को लेकर बहुसंख्यक समाज में विरोध के सुर भले ही खुले तौर पर ना उठें, लेकिन चुनावी मैदान में इसे लेकर बहुसंख्यक वोट बैंक अपना गुस्सा निकाल सकता है।

दृष्टि कोण

अतीत से मिले को युवा पीढ़ी के नसीब से जोड़ें

पृथ्वी पर मानव जीवन सर्वप्रथम कब आया, इस पर धार्मिक और वैज्ञानिक लोगों के अलग-अलग मत और विचार हैं, पर उस अदृश्य शक्ति ने पृथ्वी पर उत्पन्न हुए हर प्राणी की आवश्यकता की पूर्ति हेतु जल, वायु, सूर्य, वनस्पति और पृथ्वी के गर्भ में खनिजों के भंडार भर दिए। चौरासी लाख योनियों में मानव ही ऐसा प्राणी है जिसने अपने विवेक के बल पर हर क्षेत्र में अपना विकास किया और निरंतर कर रहा है। वह सर्दी, गर्मी, वर्षा से बचने के लिए गुफाओं से निकलकर साधारण सी कच्ची कोठरी से निकलकर आलीशान महलों तक पहुंच गया। इतना ही नहीं, उसने सजना-संवरना भी आरंभ किया और अपनी सृजनशीलता व क्षमता तथा विवेक द्वारा पृथ्वी के गर्भ में छिपे खनिज के भंडारों की भी खोज कर ली। प्राचीन समय में प्रजा और राजा में बहुत अंतर होता था। राजा या मंत्रीगण बड़े-बड़े महलों और भवनों में रहते थे तथा साधारण प्रजा राजा को अपना स्वामी मानती थी। उनकी बराबरी करना वह सपने में भी नहीं सोच सकती थी। राजा और मंत्री के परिवार रेशमी या कीमती वस्त्र पहनते और सोने-चांदी के मुकुट और गहनों से लदे रहते थे। सब प्रकृति से प्राप्त होता था।फिर राजाओं का युग संपन्न हुआ। जनता का विकास होने लगा। शिक्षा व अन्य सुविधाओं के मिलने से राजा और प्रजा का अंतर घटने लगा। अभी चालीस-पचास वर्ष पहले तक मध्यम वर्गीय परिवारों में दो-चार सूट होते थे। दो जोड़ी जूते घर के लिए और एक जोड़ी जूते आने-जाने के लिए होते थे। गांव में तो परिस्थितियां और भी विकट थीं। वहां तो लोग साबुन का प्रयोग भी नहीं करते थे। राख या गोमूत्र से कपड़े धोए जाते थे। घर पर फटे-पुराने कपड़ों में टाकियां लगाकर पहना जाता था क्योंकि दुकानें बहुत दूर होती थी। घास की छत और कच्ची मिट्टी की दीवारों के कच्चे मकान होते थे। उस जमाने में आय बहुत कम हुआ करती थी। फिर भी पच्चीस-तीस रुपए मासिक आय वाला व्यक्ति अपने परिवार का सुख सुविधा-पूर्वक निर्वाह करता था। जीवन साधारण और सादगी से भरा होता था। छोटे-छोटे सपने थे। विकास का समय करवट बदलता रहा। धीरे-धीरे विकास की गाड़ी साधारण शहरी जनता से होती हुई गांव तक पहुंच गई। आज संसार की कायाकल्प हो चुकी है। जहां किसी समय आम आदमी के लिए अपनी गाड़ी खरीदना एक सपना होता था। बड़े-बड़े उद्योगपति या टाटा-बिरला जैसे अमीर लोगों के पास ही ये बहूमूल्य वस्तुएं होती थी। आम आदमी फिल्मों में ही कार, हवाई जहाज आदि देख सकते थे। पर आज गांव के भी हर घर के आंगन में कार, स्कूटर, बाइक खड़े हैं। कल-कारखानों में सामान ढोने को बड़े-बड़े ट्राले-ट्रकों की लाइनें लगी हैं। सडक़ों पर सैकड़ों की संख्या में गाडिय़ों की बाढ़ से जाम लगा रहता है। संपन्न परिवारों में हर सदस्य के पास अपनी अलग-अलग गाडियां होना आम बात हो गई है। सडक़ों का विस्तार होने से यातायात के साधनों का भी द्रुत गति से विस्तार हुआ। गांव में भी वृक्षों को काटकर सब तरफ बड़े-बड़े मकान बनाए जा रहे हैं जिनमें रहने वाले बहुत कम हो गए हैं। घर की अलमारी में एक सदस्य के पास इतने वस्त्र हैं जितने कभी बीस-पच्चीस सदस्यों के पूरे परिवार के पास होते थे। सौंदर्य प्रसाधन की भी बात मत पूछो। दस रुपए से लेकर लाखों रुपए तक मूल्य की एक ही वस्तु मिल जाएगी। बड़े-बड़े बाजार, मॉल, शॉपिंग कांप्लेक्स से लेकर रेहड़ी-फड़ी और साधारण दुकानों की गिनती नहीं की जा सकती। हर तरफ सम्पन्नता है। जरूरत से भी अधिक सामान है, पर फिर भी आज आदमी दुखी है। उसकी लालसाओं का अंत नहीं। हजारों वाला लाखों का मालिक बनना चाहता है, लाखों वाला करोड़पति बनना चाहता है, करोड़पति राजा बनना चाहता है और राजा चक्रवर्ती राजा बनना चाहता है। संसार के भोगों का अंत नहीं है। मनुष्य का अंत हो जाता है, पर लालसाओं का अंत नहीं होता। सृष्टि के रचयिता ने मनुष्य को ही विवेक से नवाजा, पर साथ में असंतोष और लालच जैसे भयानक दुर्गुण भी पैदा कर दिए। इस विषय में महात्मा गांधी जी के अनमोल विचार थे 'कि पृथ्वी हर किसी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त है, पर हर किसी के लालच को पूरा करने के लिए नहीं।' पर क्या कभी किसी ने सोचा है कि जिन वस्तुओं का हम अंधाधुंध प्रयोग कर रहे हैं, वे हमें कहां से प्राप्त हो रही हैं? यह सब हमें पृथ्वी के अंदर छिपे भंडारों का अति दोहन करके प्राप्त कर रहे हैं जिन्हें खनिज कहते हैं, जो हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छोटी सी सूई से लेकर विशाल जहाज तक खनिजों से ही बनाए जाते हैं। ऊंचे-ऊंचे भवनों, कल-कारखानों, यातायात के साधनों को बनाने में इनका प्रयोग होता है। इनको चलाने के लिए ईंधन भी हमें खनिज से प्राप्त होते हैं।

कुछ अलग

मुद्दा (मुर्गा) किसने खाया?

तालीफ हैदर की एक गज़ल है- 'सवाल क्या है जवाब क्या है, ये उज्र-ए-ख़ाना-ख़राब क्या है।' यहां उज्र-ए-ख़ाना-ख़राब का मतलब है- टालमटोल। हैदर साहिब के सवाल-जवाब का हमें पता नहीं। पर देवभूमि में मुख्यमंत्री के हाल ही में सम्पन्न कुपवी दौरे के बाद नेता विपक्ष ने एक सवाल उछाला है कि खाने के दौरान उन्हें मुर्गा जंगली क्यों परोसा गया? सवाल यह नहीं कि मुख्यमंत्री ने परोसा मुर्गा खाया या नहीं? मुख्यमंत्री कहते हैं कि स्वास्थ्य कारणों से वह शाकाहारी हैं। पर मुझे विश्वास है कि वह दूधाधारी नहीं हो सकते। अगर दूधाधारी होते तो राजनीति में क्या करते? गुरु गोरखनाथ की तरह लोहे की बेडियां पहन कर दूध पीते हुए कहीं जोग साधते। पर विपक्ष का सवाल है कि उन्हें जंगली मुर्गा क्यों परोसा गया? इसका अर्थ है कि अगर परोसना ही था तो उन्हें पाला हुआ या पोल्ट्री मुर्गा परोसा जा सकता था। पर इधर भी विपक्ष एकमत नहीं। कुछ विपक्षी प्रवक्ताओं का कहना है कि देवभूमि में जंगली जानवरों का भी उतना ही सम्मान है, जितना पालतु पशुओं का। लेकिन इन प्रवक्ताओं ने यह नहीं बताया कि कटते तो पालतु पशु भी हैं। नेता विपक्ष का मानना है कि जंगली मुर्गा परोसना वाइल्ड लाईफ प्रोटेक्शन एक्ट का सरासर उल्लंघन है। उन्हें मुख्यमंत्री को उसका परोसना अखर गया। लेकिन उन्होंने यह सवाल नहीं उठाया कि जंगली मुर्गा मारा किसने? ज़ाहिर है कि मुख्यमंत्री या उनका अमला तो गया नहीं होगा जंगली मुर्गे का शिकार करने। उनका अमला तो कभी फाईव स्टार होटल से समोसे लेने भी नहीं जाता। पर मुख्यमंत्री के नाम पर लाए गए समोसों को चट ज़रूर कर जाता है। फिर डीएसपी साहिब भी शाकाहारी निकले। नहीं तो हर तरह के मुर्गों का शिकार करने में माहिर पुलिस पर यह आरोप बेसाख्ता मढ़ा जा सकता था। हां, यह पता नहीं लग पाया कि वहां डीएफओ साहिब थे या नहीं। अगर होते तो राज्य में अब तक रही सभी दलों की सरकारों के वन मंत्रियों की सेवा में माहिर जंगलात महकमे पर यह आरोप आसानी से मढ़ा जा सकता था। स्टेट सीआईडी के पास और कोई काम तो है नहीं। बेचारी ने समोसों की जांच की तो देश भर में सोशल मीडिया पर उसकी भद पिट गई। ऐसे में अगर मुख्यमंत्री चाहें तो विपक्ष के आरोपों को भोथरा साबित करने के लिए सीआईडी को मुर्गे की जांच सौंप सकते हैं। हां, जांच के दौरान सीआईडी का ध्यान मुर्गे की जांच पर होगा या उसकी टांग पर, यह कहना ज़रा मुश्किल है। पर इतना अवश्य कहा जा सकता है कि जांच में मुर्गा पहाड़ी ही निकलेगा। वह चाहे पोल्ट्री का हो, घरेलू हो या जंगली। बेचारा मरने से पहले रहा तो पहाड़ों में ही होगा। विपक्ष ने मुख्यमंत्री को दिए गए भोज में जंगली मुर्गे को परोसने का आरोप तो लगा दिया, पर मुर्गों की संख्या नहीं बताई। मुख्यमंत्री के साथ इतने बड़े अमले और ग्रामीणों के लिए कितने मुर्गे मारे गए होंगे, अगर विपक्ष ने इसकी संख्या भी बता दी होती तो सरकार मुर्गों के जंगली होने और उनकी संख्या के सवाल में उलझ सकती थी। हिमाचल विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होने वाला है और विपक्ष के पास सरकार को घेरने के लिए मुद्दों की कमी नहीं। उसके पास गोबर है, कम्पोस्ट है, टॉयलेट टैक्स है, समोसे हैं, प्रेशर कुकर हैं और अब मुर्गा भी। अगर नहीं है तो आम आदमी के जीवन से जुड़ा कोई मुद्दा। जब देश की संसद ही सत्ता और विपक्ष के शोर से सराबोर है तो राज्य विधानसभा में उससे जुड़े मुद्दों पर कौन बहस करेगा? ऐसे में आम आदमी सरकार और विपक्ष दोनों से सवाल उठा सकता है कि उसका मुद्दा (मुर्गा) किसने खाया? उधर जानकारों का मानना है कि आम आदमी से जुड़े मुद्दों को खाने के मामले में सरकार और विपक्ष, दोनों का सुरसाई चरित्र एक जैसा ही है। बस फेर है तो समय का। कभी एक दल सत्ता में होता है तो कभी दूसरा।

देश दुनीया से

बोरवेल में अटकती मासूम सांसें

देश के विभिन्न हिस्सों में खुले बोरवेल मासूम बच्चों के लिए लगातार काल बन रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में ही सैंकड़ों बच्चे बोरवेल में समाकर दम तोड़ चुके हैं, लेकिन ऐसे हादसों पर लगाम कसने में सफलता नहीं मिल रही है। केवल राजस्थान के दौसा जिले में ही साढ़े तीन महीने में चार बोरवेल हादसे सामने आ चुके हैं, लेकिन न तो लोग ऐसे हादसों को लेकर चेतने को तैयार हैं, न ही प्रशासन की नींद टूट रही है। 28 अगस्त को दौसा के एक गांव में 45 वर्षीय किसान रामनिवास मीणा अपने ही खेत में बोरवेल में गिरकर मौत के आगोश में समा गया था। 18 सितंबर को दौसा के जोधपुरिया गांव में 2 साल की बच्ची नीरू अचानक 600 फीट गहरे बोरवेल में गिर गई थी जिसे एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने ऑपरेशन चलाकर बोरवेल के पास 35 फीट गहरा गड्ढा खोदकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। 25 अक्तूबर को दौसा के मंडावरी गांव में 44 साल का एक किसान हेमराज गुर्जर अपने खेत में काम करते हुए 150 फीट गहरे बोरवेल में गिरकर 32 फीट की गहराई पर फंस गया था, जिसे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद भी बचाया नहीं जा सका। 9 दिसंबर को दोपहर 3 बजे दौसा के ही कालीखाड़ गांव में 5 साल का आर्यन अपने घर के पास एक खेत में बने 160 मीटर गहरे पुराने बोरवेल में गिरकर 147 मीटर पर अटक गया था, जिसे बचाने के लिए राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर की आपदा प्रबंध टीमें दो दिन से भी ज्यादा समय तक मशक्कत करती रही, लेकिन आर्यन को बचाया नहीं जा सका। बीते कुछ ही वर्षों में बोरवेल के ऐसे हादसों में कई मासूम दर्दनाक मौत की नींद सो चुके हैं। विडंबना है कि ऐसे हादसों को रोकने के लिए समाज में कहीं कोई जागरूकता नजर नहीं आती। ऐसे हादसों में बहुत ही कम बच्चों या लोगों को बचाने में सफलता मिलती है। इसलिए खेतों में बोरवेल के खुले होने को लेकर देशव्यापी बहस छेड़े जाने की सख्त जरूरत महसूस होने लगी है। एनडीआरएफ की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में कई बच्चे बोरवेल में गिर चुके हैं, लेकिन उन्हें बचाने में 70 प्रतिशत रेस्क्यू ऑपरेशन नाकाम रहे हैं। ऐसे हादसों को लेकर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि मासूम बच्चों की समाधि बनते इन बोरवेल हादसों को लेकर समाज से लेकर पूरा सिस्टम आखिर कब गंभीर होगा? एनडीआरएफ के मुताबिक बोरवेल उपयोग के मामले में भारत पूरी दुनिया में नंबर-1 पर है और बोरवेल से जुड़े अधिसंख्य हादसों में छोटे बच्चे ही शिकार बनते हैं, जिनमें से महज 30 प्रतिशत बच्चों के ही सुरक्षित बाहर निकाले जाने की संभावना होती है। बोरवेल में गिरने के करीब 92 प्रतिशत मामलों में 10 वर्ष से कम आयु के बच्चे ही होते हैं। एनडीआरएफ की एक रिपोर्ट के अनुसार बोरवेल के पानी से शहरी और औद्योगिक जरूरतों की करीब 50 फीसदी पूर्ति होती है। इसके अलावा बोरवेल के पानी से कृषि संबंधी करीब 55 फीसदी जरूरतें पूरी होती हैं। यही नहीं, ग्रामीण क्षेत्र तो पानी की अपनी जरूरतों के लिए 80 फीसदी से भी ज्यादा बोरवेल पर ही निर्भर हैं। आंकड़े देखें तो भूगर्भ जल विभाग के अनुमान के अनुसार देशभर में करीब 2.7 करोड़ बोरवेल हैं, लेकिन सक्रिय बोरवेल की संख्या, अनुपयोगी बोरवेल की संख्या और उनके मालिक का राष्ट्रीय स्तर पर कोई डाटाबेस नहीं है और चिंता की बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणियों के बावजूद सिस्टम भी ऐसे हादसों को लेकर गंभीर नहीं है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, कानूनी संशोधनों और तमाम सख्ती के बावजूद ऐसे हादसे रुक नहीं रहे। बोरवेल खुदाई को लेकर अलग-अलग राज्यों के हाईकोर्ट के भी कई निर्देश हैं और इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी कलेक्टर की होगी, जो सुनिश्चित करेंगे कि केन्द्रीय या राज्य की एजेंसी द्वारा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी मार्गदर्शिका का सही तरीके से पालन हो। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एसएच कपाडिया, जस्टिस राधाकृष्णन और जस्टिस स्वतंत्र कुमार की सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने बच्चों को गंभीर बोरवेल हादसों से बचाने के लिए एक रिट पिटीशन पर सुनवाई कर 6 अगस्त 2010 को एक आदेश पारित किया था और उसी समय से यह फैसला देशभर में लागू है, लेकिन इसका सही तरीके से पालन कराया जाना आज तक सुनिश्चित नहीं किया गया है। विडंबना है कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त दिशा-निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास होते नहीं दिखे, जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार बोरवेल की खुदाई से पहले कलेक्टर अथवा ग्राम पंचायत को लिखित सूचना देनी होगी। खुदाई करने वाली सरकारी, अद्र्धसरकारी संस्था या ठेकेदार का पंजीयन होना चाहिए। बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले डीएम, ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। बोरवेल की खुदाई वाले स्थान पर साइन बोर्ड लगाया जाना चाहिए और खुदाई के दौरान आसपास कंटीले तारों की फेंसिंग की जानी चाहिए तथा फैसिंग पाइप के चारों ओर सीमेंट अथवा कंक्रीट का 0.3 मीटर ऊंचा प्लेटफार्म बनाना चाहिए। बोरवेल के मुहाने पर स्टील की प्लेट वेल्ड की जाएगी या उसे नट-बोल्ट से अच्छी तरह कसना होगा। बोरवेल की खुदाई पूरी होने के बाद खोदे गए गड्ढे और पानी वाले मार्ग को समतल किया जाएगा। खुदाई अधूरी छोडऩे पर मिट्टी, रेत, बजरी, बोल्डर से बोरवेल को जमीन की सतह तक भरा जाना चाहिए। अदालत के इन दिशा-निर्देशों का पालन कहीं होता नहीं दिख रहा और न ही नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई होती दिखती है। हालांकि कोई भी बोरवेल हादसा होने के बाद प्रशासन द्वारा बोरवेल खुला छोडऩे वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्ती की बातें हर बार दोहरायी जाती हैं, लेकिन बार-बार सामने आते ऐसे हादसे यह समझने के लिए पर्याप्त हैं कि सख्ती की ये बातें कोई अप्रिय घटना सामने आने पर लोगों के उपजे आक्रोश के शांत होने तक ही बरकरार रहती हैं। देश में प्रतिवर्ष औसतन 50 बच्चे बेकार पड़े खुले बोरवेलों में गिर जाते हैं, जिनमें से बहुत से बच्चे इन्हीं बोरवेलों में जिंदगी की अंतिम सांसें लेते हैं। ऐसे हादसे हर बार किसी परिवार को जीवनभर का असहनीय दुख देने के साथ-साथ समाज को भी बुरी तरह झकझोर जाते हैं। ऐसे हादसों में न केवल निर्बोध मासूमों की जान जाती है, बल्कि रेस्क्यू ऑपरेशनों पर अथाह धन, समय और श्रम भी नष्ट होता है। प्रायः होता यही है कि तेजी से गिरते भू-जल स्तर के कारण नलकूपों को चालू रखने के लिए कई बार उन्हें एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित करना पड़ता है और पानी कम होने पर जिस जगह से नलकूप हटाया जाता है, वहां लापरवाही के चलते बोरवेल खुला छोड़ दिया जाता है।

आप का नजरीया

सरकारी स्कूलों में दीमक

प्राइमरी शिक्षा ही अगर अपना बदन निजी स्कूलों में छुपाने लगे तो विभाग को अपना माथा ठोंक लेना चाहिए। एक पूरी सरकारी पद्धति, शिक्षाविदों के कारनामों, पदों की नुमाइश और योजनाओं के लबादे उन आंकड़ों में मुंह छिपा रहे हैं जहां मात्र 2607 निजी स्कूल पचास फीसदी से अधिक छात्रों का प्रवेश करा रहे हैं। सरकारी प्राइमरी स्कूलों की संख्या दस हजार से भी ऊपर है। ऐसे में शिक्षा के मानदंड कैसे तय होंगे और यह भी कि शिक्षा की मद में हो रहा व्यय आखिर व्यर्थ क्यों होने लगा। अभिभावकों की दृष्टि में पहली पसंद अगर निजी स्कूल बन रहे हैं, तो यह सार्वजनिक व्यय से खड़े किए गए शिक्षण संस्थानों की वास्तविक स्थिति है, जहां पूरी व्यवस्था चौपट हो रही है। यह अंतर या गिरावट एक साल की नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे दीमक चाट रही है। हिमाचल के नागरिक समाज का भरोसा सरकारी क्षेत्र से घट रहा है। इसे केवल शिक्षा-चिकित्सा ही नहीं, बल्कि परिवहन, पर्यटन और अन्य सेवाओं में देखा जा सकता है। इस हालत के लिए अगर हमारा राजनीतिक ढांचा दोषी है, तो सामाजिक अपेक्षाएं भी कम दोषी नहीं। हमारी शिक्षा ने युवाओं को उपलब्ध रोजगार से इतना दूर कर दिया कि ग्रामीण व कृषि-बागबानी आर्थिकी पूरी तरह डूब गई। रोजगार का हुनर गुम हो गया, नतीजतन अगर हिमाचल में सिड्डू का व्यापार भी बाहरी लोग कर रहे हैं, तो वहां शिक्षा के दस्तूर को समझा जा सकता है। हमारा युवा बीबीएन के विस्तार में आखिर है कहां। उसने तो नगरोटा या घुमारवीं कालेज से ऐसे विषय में स्नातकोत्तर डिग्री धारण की है, जो उसे न तो रोजगार के बाजार और न ही अपने पांवों पर खड़ा कर सकती है। हिमाचल में शिक्षा के अर्थ और आदर्श जिस खेत को जोत रहे थे, वे बंजर हो चुके हैं। पहले ही रोजगार कार्यालयों का औचित्य डूब चुका है और कलंकित पद्धति में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग का आत्मबल लुट चुका है। हमारी सरकारों से यही अपेक्षा रही कि स्कूल-कालेज खुलते रहें और सरकारी नौकरी के ढोल बजते रहें। अब स्कूल-कालेज के प्रति रुझान घटा तो सरकारी नौकरी का डंका भी नई क्षमता, प्रतिस्पर्धा की नई ओज और डिग्री में रोजगार की खोज करते वे प्रदेश से बाहर निकल गए हैं। यह स्थिति आगे चलकर सरकारी शिक्षण संस्थानों को और खाली कर देगी। ऐसे में सरकारी स्कूल को औकात में रहना और औकात में चलना सीखना होगा। शिक्षा के स्तर को मापते अभिभावक न केवल सरकारी स्कूलों को दरकिनार कर रहे, बल्कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम को भी पीछे छोड़ रहे हैं। आईसीएसई और सीबीएसई पाठ्यक्रमों की धाक में राष्ट्रीय मूल्यांकन की भूख, आगे बढऩे की प्रेरणा और न्यू प्रोफेशन के सफर का रास्ता देखा जा रहा है। साल दर साल प्रदेश के बच्चे दिल्ली विश्वविद्यालय के कालेजों में प्रवेश पाकर तालीम के साथ खुद को भी मुकम्मल कर रहे हैं। इस साल करीब दो हजार बच्चे जिनमें छात्राएं अधिक हैं, दिल्ली कूच कर गए, तो यह सफर बहुत कुछ नकार रहा है। नाकारा घोषित होते रहे शहरी स्कूलों को बचाने के लिए इन्हें नई रैंकिंग के तहत संवारना होगा।

विधान सभा सत्र : योगी सरकार में कानून व्यवस्था सबसे मजबूत

विपक्ष द्वारा गलत आंकड़े पेश करने पर मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में दिया करारा जवाब

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को विपक्ष द्वारा महिला हिंसा और उत्पीड़न के मुद्दे पर गलत आंकड़े पेश करने पर कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में कानून व्यवस्था सबसे अधिक मजबूत हुई है। पिछले साढ़े सात वर्षों में यूपी में महिला समेत हर प्रकार के अपराध में गिरावट दर्ज की गई है। अपराधियों को सजा दिलाने में भी प्रदेश सरकार सबसे ज्यादा सफल हुई है। उन्होंने विपक्ष के सवालों को जवाब देते हुए कहा कि 1 जनवरी 2024 से 30 नवंबर के बीच 1090 वीमेन पावर लाइन पर 4,18,504 शिकायतें दर्ज की गईं। इसमें 4 लाख 9 हजार 912 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इसका रेश्यो 97.95 प्रतिशत है। वहीं पेंडिंग 8,592 मामलों के निस्तारण के लिए कार्रवाई की जा रही है। कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि दहेज मृत्यु के मामले में भी लगातार कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2017 में 2524 मामले सामने आए थे। 1 जनवरी 2024 से 31 अक्तूबर तक इस पर 1418 केस दर्ज किए गए। वर्ष 2023 में दहेज मृत्यु की 2061 घटनाएं दर्ज की गईं। उन्होंने कहा कि अपराधियों को सजा दिलाने की बात है तो सरकार ने जितनी तेजी से प्रॉसिक्यूशन को मजबूत करते हुए कन्विक्शन कराया है। अभी तक उत्तर प्रदेश सरकार के इतिहास में किसी की सरकार ने नहीं किया। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि पॉक्सो एक्ट में 2017 में 415 लोगों को सजा हुई। वहीं 2018 में 631 लोगों को सजा हुई। वर्ष 2019 में 665 और 2020 में 535 और 2021 में 1230, 2022 में 2313 और 2023 में 2841 और अभी इस वर्ष 1 जनवरी से 15 दिसंबर तक 2440 लोगों को सजा दिलाने में सफलता हासिल की गई। स्पेशल अभियान चलाकर 1 जुलाई 2023 से लेकर 11 दिसंबर 2024 तक 48 मृत्युदंड दिए गए। इसी अवधि में 6065 मामलों में आजीवन कारावास, 1046 मामलों में 20 वर्ष और उससे अधिक सजा, 73 मामलों में 15 से 19 वर्ष की सजा, 3610 मामलों में 10 से 14 वर्ष की सजा, 5564 मामलों में 5 से 9 वर्ष की सजा और 22298 मामलों में पांच वर्ष से कम की सजा दिलाने में सफलता मिली। सुरेश खन्ना ने कहा कि जब से भारतीय न्याय संहिता आई, इसमें 1 जुलाई से लेकर 12 दिसंबर तक 29 लोगों को सजा हुई है। सुरेश खन्ना ने एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि अभी तक वर्ष 2022 तक की रिपोर्ट उपलब्ध है, उसके मुताबिक हर क्षेत्र मं महिलाओं से संबंधित अपराध में गिरावट दर्ज की गई है। दुष्कर्म के मामले में पूरे देश में यूपी का 24वां स्थान है। इस तरह देश के 23 राज्य यूपी से आगे हैं। सुरेश खन्ना ने कहा कि धारा-354 के मामले में यूपी का 17वां स्थान है। इसके अतिरिक्त हत्या के मामलों पर नजर डालें तो 1 जनवरी 2024 से लेकर 30 नवंबर 2024 तक 245 मामले दर्ज किए गए। वहीं 2022 में 175, 2023 में 141 और 2024 में अभी तक 126 मामले दर्ज किए गए। इसमें 48.57 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह महिलाओं के विरुद्ध दहेज मृत्यु में 16.68 प्रतिशत की कमी आई है। दुष्कर्म में 25.34 प्रतिशत, शीलभंग में 14.31 फीसदी की कमी आई है। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के क्राइम में उत्तर प्रदेश से 19 राज्य ऊपर हैं।

पंजाब में अमृतसर के इस्लामाबाद थाने में बम धमाका आतंकी संगठन बब्बर खालसा ने ली जिम्मेदारी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में अमृतसर के इस्लामाबाद पुलिस थाने में मंगलवार तड़े बम धमाका हो गया। इसकी सूचना पाते ही पुलिस और सेना के अधिकारी पहुंचे और पूरे इलाके को सील कर दिया गया। यहां पहले भी धमाका हो चुका है। पंजाब पुलिस इस घटना पर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं बोल रही है। आतंकी संगठन बब्बर खालसा ने जीवन फौजी के नाम से सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर धमाके की जिम्मेदारी ली है। धमाके की जिम्मेदारी लेने वाला जीवन फौजी खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासियां का साथी है। यह धमाका सुबह करीब सवा तीन बजे हुआ। धमाका उस स्थान पर किया गया जहां जब्त की गई गाड़ियां खड़ी थी। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के घरों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। इससे घबराकर नींद से जागे लोग बाहर निकल आए। चारों तरफ अफरा तफरी मच गई। पुलिस ने आला अधिकारियों को सूचित किया। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण सेना के अधिकारी भी पहुंच गए। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को सील कर कर थाने के दरवाजे बंद कर दिए गए। अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर, बम निरोधक दस्ता और एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल का दौरा किया। करीब छह घंटे बाद थाने के दरवाजे खोले गए। भुल्लर ने कहा कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि अपनी पकड़ दिखाने के चक्कर में ये ब्लास्ट करवाए जा रहे हैं। जांच में अहम सुराग हाथ लगा है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। थाने को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने बिहार के महाबोधि मंदिर में की पूजा-अर्चना

पटना (हिंस)। तीन दिवसीय दौरे पर भारत आए श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने मंगलवार को बिहार के बोधगया के महाबोधि मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस मौके पर बोधगया मंदिर सोसायटी के सदस्यों ने उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत के बाद राष्ट्रपति महाबोधि मंदिर पहुंचे और भगवान बुद्ध के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के आगमन को लेकर एयरपोर्ट से लेकर महाबोधि मंदिर तक चप्पे-चप्पे पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। उनके आगमन से पहले ही एयरपोर्ट से लेकर बोधगया सड़क मार्ग को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया था। इस संबंध में गया के जिलाधिकारी डॉ. त्याग राजन एसएम ने बताया कि मंगलवार की सुबह श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के आगमन को लेकर साढ़े दस बजे तक आम श्रद्धालुओं को महाबोधि मंदिर प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी। श्रीलंका के राष्ट्रपति के जाने के बाद आम श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई। उल्लेखनीय है कि दिसम्बर माह में विभिन्न देशों के बौद्ध श्रद्धालु बोधगया पहुंचते हैं और भगवान बुद्ध की पूजा-अर्चना करते हैं। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके भारत की तीन दिनों की अधिकारिक यात्रा पर हैं। सितंबर माह में पदभार संभालने के बाद उनकी यह पहली विदेश यात्रा है। बोधगया आने से पहले वे दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई दिग्गज नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं।

एनआईए की रिपोर्ट पर भी गंभीर नहीं हुई पंजाब पुलिस

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में लगातार हो रहे धमाकों पर हाल ही में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पंजाब पुलिस को चेताया था। इसे पुलिस ने गंभीरता से नहीं लिया। अमृतसर में पिछले एक माह में चार धमाके हो चुके हैं। सूत्रों के अनुसार,पिछले दिनों एनआईए ने पंजाब पुलिस के साथ एक रिपोर्ट साझा की थी। इसमें कहा था कि पंजाब में पुलिस थानों पर आतंकी हमलों की साजिश रची जा रही है। खालिस्तानी आतंकी साल 1984 में इस्तेमाल किए गए डेड ड्रॉप मॉडल की तर्ज पर हमला कर रहे हैं। इसे लेकर केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। पंजाब पुलिस को भी अलर्ट रहने के लिए कहा गया था। इस बीच मंगलवार को अमृतसर में हुए धमाके को लेकर खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासियां के करीबी जीवन फौजी ने इसकी जिम्मेदारी ली। जीवन फौजी ने एक पोस्ट सोशल मीडिया पर डाली और ऑडियो के माध्यम से भी पुलिस को चुनौती दी। फौजी ने कहा कि अमृतसर में जो इस्लामाबाद थाने पर जो ग्रेनेड हमला हुआ है, उसकी जिम्मेदारी मैं लेता हूं। ये पुलिस और पंजाब सरकार को सीधी चेतावनी है, जो ये गुंडा राज चला रहे हैं। हमें घरों से बेघर कर दिया। हमारे मां बाप और मौसी-मौसा तक को जेल भेज दिया। अब हम इस चीज का जवाब ऐसे ही देंगे। हम डरकर बैठने वाले में से नहीं है। ये सिर्फ ट्रेलर है, पूरी

फिल्म अभी बाकी है। पंजाब पुलिस और पंजाब सरकार अपने-अपने परिवार को सेफ कर लो। आप घरों तक गए हो, हम भी घरों तक जाएंगे। अमृतसर में धमाके की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले चार दिसंबर को अमृतसर के मजीठा थाने में धमाका हुआ था। तब थाने में हैंड ग्रेनेड फेंकने की बात सामने आई थी। इस धमाके की जिम्मेदारी खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासियां ले नी थी। 28 नवंबर को अमृतसर पुलिस की पुरानी चौकी गुरबख्श नगर में ब्लास्ट हुआ था। यहां भी हैंड ग्रेनेड फेंकने की बात सामने आई थी।

किसानों की मांगों को अनसुना न करे सरकार : शिवकुमार

जींद (हिंस)। मंगलवार को यहां जाट धर्मशाला में चार राज्यों से आए किसान नेताओं, किसान संघर्ष समिति, जनता सरकार मोर्चा की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मध्यप्रदेश से राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के किसान नेता शिवकुमार कक्का ने कहा कि सरकार ने जल्द ही खनौरी बार्डर पर आमरण अनशन कर रहे जगजीत डल्लेवाल के साथ बातचीत कर किसानों की मांगों को पूरा नहीं किया तो यह आंदोलन केवल पंजाब, हरियाणा तक नही बल्कि पूरे देश में फैलेगा। एमएसपी के मुद्दे पर देश के सभी किसान संगठन एक साथ हैं। बैठक में मध्य प्रदेश के शिवकुमार कक्का, केरला से केवी बीजू, उड़ीसा से सचिन महापात्रा, बुंदेलखंड से मनीष राजा, अक्षय नरवाल, प्रियंका खरकरामजी सहित अन्य किसान नेता मौजूद रहे। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए शिवकुमार कक्का ने कहा कि सभी किसान संगठन वैचारिक रूप से अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन एमएसपी के मुद्दे पर सभी किसान संगठन एक हैं। सरकार अपने वायदे से मुकर रही है और एमएसपी को लागू नहीं किया जा रहा है। जो किसानों के साथ वादाखिलाफी है। सरकार को अपनी हठधर्मिता छोड़ कर किसानों के साथ बातचीत आगे बढ़ानी चाहिए। केरला से आए बीजू ने कहा कि दो दिन पहले गृहमंत्री अमित शाह ने एमएसपी लेकर ब्यान दिया कि एमएसपी 40 प्रतिशत बढ़ा है, जो निराधार है। उड़ीसा से आए सचिन महापात्रा और बुंदेलखंड से मनीष राजा ने सरकार ने जल्द ही बातचीत कर जगजीत डल्लेवाल को अनशन समाप्त नहीं करवाया तो वह अपने राज्यों में आंदोलन शुरू कर देंगे और यह आंदोलन पूरे देश में फैल सकता है।

वन नेशन वन इलेक्शन विधेयक भारतीय संविधान की मूल भावना के विपरीत : अजीत शर्मा

भागलपुर (हिंस)। लोक सभा में मंगलवार को केंद्र सरकार द्वारा पेश और पारित वन नेशन वन इलेक्शन विधेयक भारतीय संविधान की मूल भावना के विपरीत है। भागलपुर के विधायक अजीत शर्मा ने इस विधेयक पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस विधेयक (कानून) से भारतीय संघीय ढांचा के साथ-साथ राज्यों की विधान सभाओं की स्वतंत्रता के लिए एक आसन्न खतरा है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक में चुनाव आयोग को इतनी शक्ति प्रदान की गई है जिससे चुनाव आयोग के निरंकुश होने की संभावना है। उल्लेखनीय हो कि मोदी सरकार ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया से सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को अलग कर सरकारी वर्चस्व का प्रावधान कर दिया है। जिससे चुनाव आयोग पूरी तरह सत्ता संपोषित हो गया है। यह कानून देश से लोकतांत्रिक व्यवस्था को समाप्त कर तानाशाही थोपने का सरकारी प्रयास है। विधायक श्री शर्मा ने कहा कि सभी राजनीतिक पार्टीयों सहित देश की जनता को इसका पुरजोर विरोध करने की जरूरत है। जिससे देश के लोकतंत्र की रक्षा हो सके।

राज्य महिला आयोग समाज के हर वर्ग की महिला को न्याय और संरक्षण दिलाने के लिए सदैव तत्पर : श्रीमती चारू चौधरी

गोरखपुर (हिंस)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग में *महिलाओं के विरुद्ध अपराध उन्मूलन में राज्य महिला आयोग की भूमिका* पर केंद्रित कार्यक्रम (मिशन शक्ति) की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि स्त्री-पुरुष संबंधों को स्वस्थ बनाने हेतु संवाद की बड़ी भूमिका है। वाद-विवाद से कोई हल नहीं निकल सकता। एक-दूसरे का सम्मान ही उन्नति का मार्ग खोलता है। लिंग आधारित हिंसा से न केवल परिवार बल्कि समाज भी कमजोर पड़ जाता है, जो स्त्री या पुरुष अपने जीवनसाथी की इज्जत नहीं कर सकता, उसका भविष्य भी उज्जवल नहीं हो सकता। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती चारू चौधरी ने कहा कि आयोग तीन स्तरों पर मुख्य भूमिका में रहता है पहला महिला हिंसा उन्मूलन दूसरा-महिला

अस्पताल का निरीक्षण और तीसरा महिला जेलों के कार्यों की समीक्षा। उन्होंने महिलाओं के प्रति बढ़ती हिंसा में स्त्री-पुरुष के बीच बड़े विवाद के पीछे अमूमन बहुत छोटे कारण होते हैं। इसका निदान जागरूकता से संभव है। मिशन शक्ति फेज 5 इस कार्य को बखूबी निभा रहा है। कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने अपने संबोधन में कहा कि घरेलू हिंसा का शिकार अधिकांशत: स्त्रियां होती हैं। इस हिंसा के रोकथाम हेतु राज्य महिला आयोग गठन में समुचित प्रावधान किए गए हैं। हिंसा सहना भी एक अपराध है। इसे छिपाना नहीं चाहिए। महिला आयोग हिंसा उन्मूलन में प्रमुख भूमिका रखता है तथा महिलाओं की विपरीत परिस्थिति में उनकी ताकत बनकर खड़ा है। कार्यक्रम संयोजक प्रो. दिव्या रानी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय परंपरा एवं संविधान दोनों में स्त्री को निर्णायक शक्तियां मिली हुई हैं। जरूरत उन शक्तियों को पहचानने की है तथा महिलाओं का आर्थिक रूप से सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है जिससे उनके अंदर निर्णय लेने की क्षमता विकसित हो सके। स्वस्थ शरीर से स्वस्थ मन की अवधारणा को विकसित करने के लिए चट्टानों द्वारा दो नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किए गए जिनका विषय-एनीमिया और सर्वाइकल कैंसर जागरूकता था। इस अवसर पर मिशन शक्ति फेज फाइव की संयोजिका प्रो. विनीता पाठक, जीयूडब्ल्यूडब्यूए की अध्यक्ष प्रो. नंदिता सिंह, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. सूर्यकांत त्रिपाठी, विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक- शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

नारनौल: पटौदी जेल से गवाही देने नारनौल कोर्ट में आया मोनू मानेसर

नारनौल (हिंस)। गुरुग्राम की पटौदी जेल से मोनू मानेसर को कड़ी सुरक्षा के बीच पुलिस ने मंगलवार को नारनौल की एडीजे कोर्ट में पेश किया। मोनू को गोतस्करी से जुड़े एक मामले में गवाही के लिए पेश किया गया। इस मौके पर कोर्ट परिसर में कड़ी सुरक्षा की गई। मिली जानकारी के अनुसार थाना कनीना में नूंह पुलिस के सतबीर सिंह ने शिकायत दी थी कि उनकी गाड़ी को काला मेव निवासी पचगांवा थाना तावडू और उसके साथी शौकत निवासी ग्वारका ने टक्कर मारी थी। ये दोनों गोकशी के कई मुकदमों में आरोपी हैं। इस पर 3 अक्तूबर 2019 को दोनों के मोबाइल ट्रैकिंग पर लगाए हुए थे। इस मोबाइल फोन की लोकेशन धारूहेडा के करीब आई। इसके बाद वे अपने साथी पुलिस कर्मियों ईएचसी सुखचैन, सिपाही प्रवीण व बजरंग दल के प्रधान मोनू मानेसर उर्फ मोहित निवासी मानेसर और उनके बजरंग दल के 6-7 सदस्य को साथ लेकर काला व शौकत के नम्बरों की लोकेशन के अनुसार रात को 11 बजे कनीना के गांव नौताना में पहुंच गए। वहां पर एक काले रंग स्कॉर्पियो में लगभग 4-5 जवान लड़के बैठे दिखाई दिए। पुलिस के अनुसार उसे गाड़ी को काला मेव चला रहा था। एक अन्य गाड़ी, जिसमें 3-4 गाय भरी हुई थी, गाड़ी का पीछा किया तो गाड़ी में बैठे हुए तस्करों ने गांव पोता में चलती हुई गाड़ी से 2 गाय नीचे गिरा दी। उसके बाद एक गाड़ी के आगे लोहे का कांटा डाल दिया, जिससे गाड़ी के टायर पंक्चर हो गए। स्कॉर्पियो का ड्राइवर टायर फटने के बावजूद गाड़ी को सेहलंग पुलिस नाका तोड़कर खेड़ी गांव के मंदिर वाली बणी में चले गए। वहां से एक गाय को फिर नीचे फेंक दिया और बजरंग दल के सदस्यों की गाड़ी को टक्कर मारी।

कांग्रेस सरकार के काम खुद के खाते में गिनाकर प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री लूट रहे थोथी वाहवाही : डोटासरा

जयपुर (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों में प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी देने तथा पार्टी के दो माह तक चलने वाले संविधान रक्षक अभियान में भागीदारी के लिए प्रभारी के रूप में दायित्व देकर कार्य आवंटन पर चर्चा की गई। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी उपस्थित रहे। बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सभी पदाधिकारियों से एकजुट होकर पार्टी की मजबूती के लिए कार्य करने का आह्वान किया तथा कहा कि यदि सब मिलकर एकरूपता के साथ कार्य करेंगे तो प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने के साथ भाजपा की जनविरोधी सरकार का सामना करते हुये प्रदेश की जनता को राहत दिला पायेंगे। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में डोटासरा ने कहा कि भाजपा सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को प्रदेश के दौरे पर आए। उनसे प्रदेश को बहुत उम्मीदें थीं। जिस प्रकार भाजपा के नेता, मंत्री प्रदेशभर में प्रधानमंत्री द्वारा प्रदेश के लिए सौगातों का पिटारा खोलने की घोषणा का प्रचार कर रहे थे, उसके उलट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश के लिए कोई सौगात नहीं देकर निराश किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने असत्य तथ्य अपने भाषण में कहे। वे हनुमानगढ़, चूरू आदि जिलों में नर्मदा का पानी पिलाने की बात कह रहे हैं जबकि नर्मदा का पानी केवल जालोर और उसके आस-पास के कुछ क्षेत्रों में ही पेयजल के रूप में मिला है। प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री और डबल इंजन की राजस्थान सरकार से प्रश्न कर रही है कि ईआरसीपी को पीकेसी तो कर दिया लेकिन 90 प्रतिशत केंद्र का अंशदान देकर राष्ट्रीय परियोजना घोषित क्यों नहीं किया। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में राजस्थान में पेट्रोल-डीजल सस्ता करने की बात कही, किंतु चुनाव में प्रधानमंत्री ने प्रदेश की जनता से हरियाणा में पेट्रोल-डीजल की कीमत के बराबर राजस्थान में पेट्रोल-डीजल की कीमत करने का वादा किया था, किंतु आज भी हरियाणा के मुकाबले राजस्थान में पेट्रोल-डीजल का मूल्य 11 रुपए से अधिक ज्यादा है।

उप्र में योगी सरकार ने पेश किया 17,865 करोड़ का अनुपूरक बजट

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में बाधारहित विकास को अनवरत जारी रखने के लिए योगी सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में मौजूदा वित्त वर्ष के लिए अपना द्वितीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। 17,865.72 करोड़ रुपए के इस अनुपूरक बजट में 790.49 करोड़ रुपए के नए प्रस्ताव शामिल किए गए हैं। यह योगी सरकार का इस वित्त वर्ष का द्वितीय अनुपूरक बजट है, जो मूल बजट (7 लाख 36 हजार 437.71 करोड़ रुपए) का 2.42 प्रतिशत है। इससे पूर्व, योगी सरकार 12,209.93 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट भी प्रस्तुत कर चुकी है। दोनों अनुपूरक बजट को मिलाकर योगी सरकार का मौजूदा वित्त वर्ष का कुल बजट अब 7 लाख 66 हजार 513.36 करोड़ रुपए का हो गया है। राज्य के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में विधानसभा में द्वितीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि द्वितीय अनुपूरक बजट का आकार 17,865.72 करोड़ रुपए है। यह सरकार विकास को प्राथमिकता देने वाली सरकार है और जब भी आवश्यकता होती है तब संवैधानिक तरीके से सदन के माध्यम से अनुपूरक बजट लाने का अधिकार है। अनुपूरक बजट में 790.49 करोड़ रुपए के

नए प्रस्ताव सम्मिलित किए गए हैं। साथ ही इसमें केंद्रीय योजनाओं में 422.56 करोड़ रुपए के केंद्रांश की राशि भी अनुमानित है। इसके अतिरिक्त कंटिजेंसी से जो 30 करोड़ 48 लाख रुपए का पैसा लिया गया था, उसकी भी प्रतिपूर्ति का भी प्रस्ताव इसमें शामिल है। वित्त मंत्री खन्ना ने बताया कि अनुपूरक बजट में विभिन्न विभागों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप बजट जारी किया जाएगा। इसमें ऊर्जा विभाग को 8587.27 करोड़ रुपए, वित्त विभाग को 2438.63 करोड़ रुपए, परिवार कल्याण विभाग को 1592.28 करोड़ रुपए, पशुधन विभाग के लिए 1001 करोड़ रुपए, लोकनिर्माण विभाग के लिए 805 करोड़ रुपए, प्राथमिक शिक्षा विभाग के लिए 515 करोड़ रुपए, सूचना विभाग के लिए 505 करोड़ रुपए, पंचायती राज विभाग के लिए 454.01 करोड़ रुपए और चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग के लिए 354.54 करोड़ रुपए का बजट प्राविधानित किया गया है। योगी सरकार ने इसी वर्ष फरवरी महीने में मूल बजट पेश किया था, जो 7.36 लाख करोड़ रुपए से अधिक का था। इसके बाद योगी सरकार ने 30 जुलाई को 12,209.93 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया था। इसके 5 माह के बाद एक बार फिर योगी सरकार विकास कार्यों को गति देने के लिए आवश्यकता के अनुरूप द्वितीय अनुपूरक बजट लेकर आई है। इस बजट को मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। अनुपूरक बजट एक ऐसा वित्तीय दस्तावेज है जिसे सरकार किसी वित्त वर्ष के दौरान तब प्रस्तुत करती है जब उसे अपने पहले से स्वीकृत बजट में अतिरिक्त खर्च की आवश्यकता होती है। यह बजट उन खर्चों को कवर करने के लिए प्रस्तुत किया जाता है, जिनको अनुमानित बजट में शामिल नहीं किया गया था या जो नई परिस्थितियों के कारण आवश्यक हो गए हैं। यह बजट वित्त वर्ष के बीच में किसी विभाग या मंत्रालय की किसी योजना में अतिरिक्त राशि खर्च करने के लिए लाया जाता है। यह खर्च के अनुमान के साथ पेश किया जाता है।

भारत बनेगा विश्व की अक्षय ऊर्जा राजधानी : प्रल्हाद जोशी

कहा, देश की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अप्रैल-नवंबर में दोगुनी होकर 15 गीगावाट हुई

नई दिल्ली

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि भारत न केवल ऊर्जा क्रांति का साक्षी बन रहा है, बल्कि दुनिया की अक्षय ऊर्जा राजधानी भी बन रहा है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-नवंबर अवधि में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता सालाना आधार पर लगभग दोगुना होकर 15 गीगावाट हो गई है। यह 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता के लक्ष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने नई दिल्ली में 5वें भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (आईईसीई) को संबोधित करते हुए कहा, भारत अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में जो कुछ कर रहा है, उस पर न केवल दुनिया की निगाह है, बल्कि कई देशों ने इसे अपनाया भी है। उन्होंने भारत की पहल के तहत वैश्विक सहयोग के लिए एक औपचारिक व्यवस्था के रूप में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की भूमिका पर प्रकाश डाला, जिस पर 120 देश हस्ताक्षरकर्ता हैं। इस अवसर पर उन्होंने ऊर्जा संक्रमण निवेश मॉनिटर पर सीआईआई-ईवाई रिपोर्ट का दूसरा संस्करण भी लॉन्च किया। ये व्यापक रिपोर्ट भारत के गतिशील ऊर्जा परिदृश्य में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। इस वर्ष के सम्मेलन का विषय ऊर्जा परिवर्तन पर वैश्विक संवाद, विकसित हो रहे वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

बिहार सरकार ने करीब 30,000 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

पटना। बिहार सरकार ने करीब 30,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी देने का ऐलान किया। राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड की 58वीं बैठक में 52 इकाइयों के 28,881.55 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। 35 इकाइयों के 609.26 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को वित्तीय स्वीकृति दी गई। बोर्ड में शामिल उद्योग सचिव और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। इसके अलावा सरकार ने राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई हैं। हाल ही में खाद्य प्रसंस्करण निवेश बैठक और उद्यमी पंचायत का आयोजन किया गया। उद्यमी योजनाओं के लाभार्थियों को पहली और दूसरी किस्त की राशि का वितरण भी किया गया।

न्यूज़ ब्रीफ

ताइवान की लैपटॉप कंपनी चेन्नई संयंत्र के साथ भारत में विनिर्माण करेगी शुरू

नई दिल्ली। ताइवान की लैपटॉप विनिर्माता कंपनी एमएसआई भारत में अपना विनिर्माण परिचालन शुरू कर रही है। इसके अनुसार एमएसआई भारत में अपनी दो लैपटॉप मॉडल एमएसआई मॉडर्न 14 और एमएसआई थिन 15 के स्थानीय रूप से विनिर्मित संस्करण पेश करेगी। इन लैपटॉप की कीमत क्रमशः 73,990 रुपये और 52,990 रुपये से शुरू होगी। एमएसआई ने अपने बयान में कहा कि भारत एमएसआई के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है और ब्रांड अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। उच्च प्रदर्शन वाले लैपटॉप की मांग बढ़ रही है और इसलिए उन्होंने वैश्विक मानकों को पूरा करने वाले स्थानीय रूप से विनिर्मित उपकरणों की पेशकश करने का निर्णय लिया है। एमएसआई इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत की महत्वपूर्णता को मानते हुए इस नए पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय से एमएसआई के लिए एक प्रमुख केंद्र रहा है और उच्च प्रदर्शन वाले लैपटॉप की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए हम विनिर्माण की प्रक्रिया भारत में शुरू कर रहे हैं। एमएसआई की इस पहल से भारतीय प्रौद्योगिकी सेक्टर में नई ऊर्जा और उत्साह भरने की संभावनाएं बढ़ेंगी और लोगों के लिए एक नया विकल्प उपलब्ध होगा।

गौतम अडानी के छोटे बेटे जीत अडानी की प्री-वेडिंग सेरेमनी उदयपुर में शुरू, क्या अडानी तोड़ेंगे मुकेश अंबानी का रिकॉर्ड

मुंबई। देश के उद्योगपति गौतम अडानी के छोटे बेटे जीत अडानी की प्री-वेडिंग सेरेमनी उदयपुर में शुरू हो चुकी है। जीत अडानी की सगाई इस साल मार्च में सूरत के हीरा कारोबारी जैमिन शाह की बेटी दीवा शाह से हुई थी। अब उनकी प्री-वेडिंग फंक्शन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। उदयपुर के तीन शानदार और फाइव-स्टार होटल - ताज लेक पैलेस, लीला पैलेस, और उदय विलास पैलेस - बुक किए गए हैं जिसमें करीब 300 से अधिक मेहमान शामिल होंगे। अडानी परिवार अपनी प्राइवेट लाइफ को मीडिया और सोशल मीडिया से दूर रखता है, इसलिए इस आयोजन की ज्यादा तस्वीरें और डिटेल सामने नहीं आई हैं। अडानी परिवार के इस शादी के आयोजन का खर्च भी हैरान कर रहा है। ताज लेक पैलेस और लीला पैलेस जैसे लग्जरी होटलों के कमरों का किराया प्रति रात 75 हजार रुपये से लेकर 3.5 लाख रुपये तक है। उदय विलास होटल के सबसे महंगे कोहिनूर सुइट का प्रतिदिन किराया लगभग 10 लाख रुपये है। इस देश के अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी के बच्चों की शादियों की तरह अडानी परिवार भी अपने छोटे बेटे की शादी को भव्य बना रहा है। इस समारोह से जुड़े लोग करीबी हैं और उनके बीच शादीशुदा होंगे। अडानी परिवार की आयोजनों में सादगी और मिटटी की खुशबू बनी रहती है। अंबानी परिवार के रिकॉर्ड आयोजनों को भी छूने की खातिर उदयपुर के इस आयोजन का महत्व उच्च है। जीत अडानी की शादी देश की दिग्गज उद्योगपति के परिवार के लिए नया इतिहास बना सकती है।

मरम्मत लागत की पूरी वसूली कर पाने में डीएमआरसी नाकामः कैग रिपोर्ट

नई दिल्ली। नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) ने दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के मरम्मत लागत एवं अन्य आकस्मिक खर्चों पर एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें खुलासा हुआ कि करीब 15.54 करोड़ रुपये का बकाया अभी भी वसूला नहीं जा सका। इसमें नाकामी के खिलाफ चिंता जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार डीएमआरसी ने अनुरूप निर्माण गुणवत्ता और अवधि की खामियों को दूर करने के लिए ठेकेदार से 11.85 करोड़ रुपये की मरम्मत की कार्यवाही करवाई। इसके अलावा आवंटियों को वैकल्पिक आवास में स्थानांतरित कराने और कई अन्य खर्चों के कारण 7.81 करोड़ रुपये की अतिरिक्त खर्च उठाए गए हैं। कुल मिलाकर डीएमआरसी ने विभिन्न कारणों से 19.66 करोड़ रुपये का खर्च किया, जो कैग के मुताबिक काम की खराब गुणवत्ता की भरपाई के लिए है। वहाँ पर कारयान्वयन से जुड़ी सुलह प्रक्रिया में भी किसी के साथ ठीक से समझौता नहीं किया गया है, जिससे कलेक्ट किए गए 4.12 करोड़ रुपये में से केवल एक भाग ही वसूल पाया गया। कैग की रिपोर्ट ने डीएमआरसी को मरम्मत कार्य में पाए गए खामियों की जांच करने की सलाह दी है ।

टॉस द कॉइन और जंगल कैंप्स इंडिया की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री

लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट पर टॉस द कॉइन और लोअर सर्किट पर जंगल कैंप्स

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को एसएमई सेगमेंट की दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत की। दोनों कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ हुई। इनमें से टॉस द कॉइन के शेयर खरीददारी के सपोर्ट से अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। जंगल कैंप्स इंडिया के शेयर मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण गिरावट का शिकार होकर लोअर सर्किट पर पहुंच गए।

मार्केटिंग कंसल्टिंग फर्म टॉस द कॉइन के शेयर की बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी ने 182 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। कंपनी के शेयर 345.80 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से टॉस द कॉइन के शेयर उछल कर 363.05 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा पहले दिन ही लगभग दोगुना हो गया है।

टॉस द कॉइन का 9.17 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिलने के कारण ये ओवरऑल 1,025.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 147.69 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 964.18 गुना सब्सक्राइब हुआ था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 1,550.76 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 5.04 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी माइक्रो सर्विसेज एप्लीकेशंस को डेवलप करने, नए ऑफिस खोलने, वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

ही वाइल्डलाइफ कैंप्स, होटल, गेस्ट हाउस, होलीडे होम्स, हेल्थ क्लब, कैटरिंग हाउस और रेस्टोरेंट्स को ऑपरेट करने वाली कंपनी जंगल कैंप्स इंडिया के शेयरों ने भी जोरदार लिस्टिंग के साथ शेयर बाजार में एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 72 रुपये के भाव पर जारी हुए थे। बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 90 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ कंपनी के शेयर 136.80 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर एक बार 143.50 रुपये के स्तर पर पहुंचा, लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सुबह 10 बजे के करीब गिर कर 129.96 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। हालांकि पहले दिन लोअर सर्किट पर आने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक अभी भी 80.50 प्रतिशत के मुनाफे में हैं।

जंगल कैंप्स इंडिया का 29.42 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को भी निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 494.58 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 196.52 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 760.48 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, रिटेल इन्वेस्टमेंट इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 551.20 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 40,86,400 ने शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल मध्य प्रदेश के संजय डुबरी नेशनल पार्क में प्रोजेक्ट डेवलपमेंट करने, मध्य प्रदेश के ही पेंच नेशनल पार्क में जंगल कैंप का रिनोवेशन करने, यूपी के मथुरा में मथुरा होटल प्रोजेक्ट का कैपिटल एक्सपेंडिचर करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में किया जाएगा।

भारत में सुरक्षा संबंधी चुनौतियां एआई अपनाने में बड़ी बाधाः रिपोर्ट

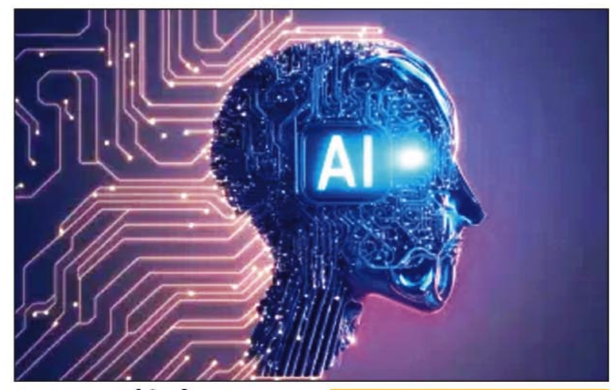

नई दिल्ली

भारत में 92 प्रतिशत कार्यकारी अधिकारी कृत्रिम मेधा (एआई) अपनाने में सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को सबसे बड़ा अवरोध मानते हैं। उन्हें लगता है कि विश्वास को बढ़ावा देने और जोखिमों को कम करने के लिए मजबूत ढांचे की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार 13 बाजारों में 900 वरिष्ठ अधिकारियों के बीच किए गए सर्वेक्षण से पता चला कि भारतीय अधिकारियों की अधिकतर चिंता कृत्रिम इंटेलिजेंस की सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से है।

एआई के इस्तेमाल के लिए एक मजबूत ढांचे की आवश्यकता पर दिया गया जोर

रिपोर्ट में उच्च उत्साह के बावजूद भारतीय अधिकारियों को अभी भी एआई का व्यापक उपयोग करने में कठिनाई महसूस होती है। उन्हें डेटा के सुरक्षा खतरों और नैतिकता से संबंधित चिंताएं हैं।

इससे सामने आया कि आधे से अधिक प्रौद्योगिकी अधिकारी इसे सरल चालित करने के लिए तैयार नहीं मानते। एआई के इस्तेमाल के लिए एक मजबूत ढांचे की आवश्यकता पर रिपोर्ट ने जोर दिया।

इसके लिए तकनीकी सहयोग और कौशल उन्नयन की आवश्यकता है। विश्वास बढ़ाने और जोखिम कम करने के लिए अधिक नैतिकता और ताकतवर ढांचे को महत्व दिया जाना चाहिए। रिपोर्ट ने भारतीय संगठनों को एआई की एकीकृत क्रियान्वयन में सक्षम बनाने की सलाह दी है ताकि इसे स्थायी रूप से अपनाया जा सके। व्यवसाय को विश्वास दिलाकर जोखिम को कम करने के लिए एआई की क्षमताओं का उपयोग विशेष महत्व है।

रोजगार के लिए ईएलआई योजना के लिए अधिक वित्त आवंटन का मंत्रालय से आग्रह

वित्त वर्ष में केवल 6,000 करोड़ खर्च करने की उम्मीद

नई दिल्ली

भारतीय सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय से रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना के लिए चालू वित्त वर्ष में अधिक धन आवंटन करने की मांग की है। मंत्रालय ने दावा किया है कि इस वर्ष कार्यान्वयन के प्रारंभ में अधिक वित्त आवश्यक है, जिससे रोजगार से जुड़ी योजनाओं को समय पर लागू किया जा सके। मंत्रालय ने संसदीय समिति के एक सवाल के जवाब में बताया कि इस वर्ष नवीनतम ईएलआई योजना के लिए 6,852 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसमें से करीब एक-तिहाई से अधिक धन कम हो सकता है। यह योजनाएं फ्रेशरों, विनिर्माण क्षेत्र और अतिरिक्त रोजगार सृजन के लिए होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने इस योजना के लिए 93 लाख लोगों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से एक आईटी बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) योजना को लागू करना है। समिति ने सरकार से इस प्रक्रिया को त्वरित और सुगम बनाने की अपील की है, ताकि रोजगार से जुड़े योजनाएं बिना किसी विघ्न के समय पर लागू की जा सकें। अगले साढ़े 6 साल में ईएलआई योजना के लिए कुल 1.07 लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया जाएगा। यह योजना भारतीय जनता को रोजगार के नए मौके प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मानव संसाधनों के विकास और आर्थिक सुधार के लिए ये प्रोत्साहन योजनाएं महत्वपूर्ण साबित हो सकती हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी से सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में तेजी आने से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,040 रुपये से लेकर 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये से लेकर 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी मामूली तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत बढ़ कर 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,940 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में मामूली तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी आमतौर पर गिरावट का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं, एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर कमजोरी नजर आ रही है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता नजर आया। डाउ जॉन्स लगातार आठवें दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। 2018 के बाद पहली बार डाउ जॉन्स लगातार 8 दिन गिरावट का शिकार हुआ है। दूसरी ओर, एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,074.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह टेक शेयरों में आई तेजी के कारण नैस्डेक पिछले सत्र के दौरान रिकार्ड ऊंचाई पर बंद होने में सफल रहा।

इस सूचकांक ने 234.43 अंक यानी 1.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,161.15 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 43,695.82 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,262.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.71 प्रतिशत टूट कर 7,357.08 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 20,313.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आमतौर पर गिरावट का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 39,531.24 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.33 प्रतिशत उछल कर 23,115.90 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर गिफ्ट निफ्टी 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,646 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,803.47 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.06 प्रतिशत लुढ़क कर 2,462.68 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.41 प्रतिशत फिसल कर 19,714.38 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत टूट कर 1,413.15 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,229.13 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,366.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने वीवो के साथ संयुक्त उद्यम की घोषणा की, भारत में बढ़ सकती है कंपनी की हिस्सेदारी

मुंबई । डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने चीनी मोबाइल फोन विनिर्माता वीवो के साथ संयुक्त उद्यम की घोषणा की है, जिसमें डिक्सन वीवो के लिए और अन्य निर्माताओं के लिए भी फोन बना सकती है। इस संयुक्त उद्यम से होम इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विस कंपनी (ईएमएस) को देश के मोबाइल फोन असेंबली बाजार में 20 फीसदी हिस्सेदारी हासिल हो सकती है। डिक्सन के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने बताया कि यह सौदा डिक्सन को 22-23 फीसदी की हिस्सेदारी मिलने में मदद करेगा और वीवो को स्मार्टफोन और फीचर फोन बाजार में भी 20 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी हासिल हो सकती है। डिक्सन की सालाना स्मार्टफोन उत्पादन क्षमता है और कंपनी इस वर्ष लगभग 3 करोड़ फोन असेंबल कर रही है। दूसरी ओर वीवो जो हर साल लगभग 3 करोड़ स्मार्टफोन बेचती है, कुछ प्रतिशत माइक्रोमैक्स से लाती है, शेष खुद असेंबल करती है। वीवो ने ग्रेटर नोएडा में कारखाना बनाया है, और वहां सालाना 12 करोड़ फोन बनाएगी। विशेषज्ञों ने कहा है कि यदि वीवो पूरी जिम्मेदारी इस साझेदारी को देती है तो डिक्सन की स्मार्टफोन उत्पादन दोगुना हो सकता है और सालाना 6 करोड़ हो सकता है। इस मुद्दे पर अभी चर्चा जारी है।

दर्शकों के लिए एचआईएल 2024-25 मैचों के टिकट होंगे फ्री, हॉकी इंडिया ने की घोषणा

नई दिल्ली

हॉकी प्रशंसक रांची और राउरकेला में होने वाले आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 मैचों का लुत्फ अब स्टेडियम में जाकर फ्री में उठा सकेंगे। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को एचआईएल 2024-25 मैचों के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा की।

एचआईएल गवर्निंग कमेटी के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने बताया, यह कदम हॉकी इंडिया के उस दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसके तहत खेल को उसके समर्थकों के लिए और अधिक सुलभ बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा, यह भारत में हॉकी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। मुफ्त टिकट देकर, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि वित्तीय स्थिति की परवाह किए बिना, हर किसी को हॉकी का बेहतरीन अनुभव करने का अवसर मिले।

हमारा लक्ष्य खेल को प्रशंसकों के और करीब लाना और खिलाड़ियों और समर्थकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करना है। रांची और राउरकेला हॉकी की समृद्ध विरासत वाले शहर हैं, और हम स्टेडियमों को उनकी ऊर्जा और जुनून से भरना चाहते हैं।

एचआईएल गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, हमारे प्रशंसक हमारे हर काम के केंद्र में हैं। मुफ्त टिकट देने की यह पहल उनके अटूट समर्थन के लिए आभार व्यक्त करने का हमारा तरीका है।

हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि रांची और राउरकेला की हर सीट अपने पसंदीदा टीमों के लिए चीयर करने वाले प्रशंसकों से भरी हो।

पुरुषों की एचआईएल 28 दिसंबर को राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में शुरू होगी, जिसका फ़ाइनल 1 फरवरी 2025 को होगा।

इस बीच, महिलाओं की लीग 12 जनवरी, 2025 को रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में शुरू होगी, जिसका फ़ाइनल 26 जनवरी को होगा।

न्यूज ब्रीफ

अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली महाराष्ट्र की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं अनिका

नई दिल्ली। महज 14 साल की उम्र में, गोल्डन गर्ल ऑफ पुणे के नाम से मशहूर अनिका दुबे ने एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है- उन्होंने एशियाई स्क्वैश टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाई है, जो फरवरी 2025 में हांगकांग में होने वाली है। यह उपलब्धि उन्हें इस तरह के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली महाराष्ट्र की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनाती है। अनिका का इस मुकाम तक पहुंचना किसी प्रेरणा से कम नहीं है। अपने नाम तीन राष्ट्रीय खिताब के साथ, वह महाराष्ट्र के पुणे की सबसे सफल जूनियर स्क्वैश खिलाड़ी बन गई हैं, उन्होंने नए रिकॉर्ड बनाए हैं और दूसरों के लिए एक राह बनाई है। खेल के प्रति उनका समर्पण, अनुशासन और प्यार उनके द्वारा खेले गए हर मैच में स्पष्ट दिखाई देता है, जिसने उन्हें भारत की सबसे प्रतिभाशाली युवा प्रतिभाओं में से एक के रूप में स्थापित किया है। अनिका ने कहा, भारत के लिए खेलना एक सपने के सच होने जैसा है। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना और वर्षों से की गई कड़ी मेहनत को प्रदर्शित करना मेरे लिए सम्मान की बात है। उनके कोच अभिनव सिन्हा उनकी यात्रा में मार्गदर्शक शक्ति रहे हैं। अपने शांत व्यवहार और तीक्ष्ण सामरिक अंतर्दृष्टि के लिए जाने जाने वाले अभिनव ने अनिका को विश्व मंच पर उतरने के लिए तैयार एक अच्छी तरह से तैयार खिलाड़ी के रूप में आकार दिया है।

यूईएफए महिला यूरो 2025 ड्रॉः ग्रुप चरण में इटली, बेल्जियम, पुर्तगाल से खेलेगा विश्व चैंपियन स्पेन

नई दिल्ली। विश्व कप विजेता स्पेन महिला यूरो 2025 टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में इटली, बेल्जियम और पुर्तगाल से खेलेगा, जिसका ड्रॉ सोमवार को लुसाने में निकाला गया। मौजूदा यूरोपीय चैंपियन और 2023 विश्व कप उपविजेता इंग्लैंड को फ्रांस, नीदरलैंड और वेल्स के साथ रखा गया है। 2022 के संस्करण में, इंग्लैंड ने फाइनल में जर्मनी को 2-1 से हराया। एला टून और क्लो केली ने थ्री लॉयनेसेस के लिए गोल करके टीम को अपनी पहली बड़ी ट्रॉफी जीतने में मदद की थी। 2025 का संस्करण 2 से 27 जुलाई के बीच स्विट्जरलैंड में खेला जाएगा। यह पहली बार होगा जब देश टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। मेजबान को नॉर्वे, आइसलैंड और फिनलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। इसके अलावा, महिला यूरो 2025 में भाग लेने वाली खिलाड़ियों को पहली बार पुरस्कार राशि का एक प्रतिशत मिलेगा। यूईएफए महिला यूरो 2025 समूह- समूह एः स्विटजरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड, फिनलैंड , समूह बीः स्पेन, पुर्तगाल, बेल्जियम, इटली , समूह सीः जर्मनी, पोलैंड, डेनमार्क, स्वीडन , समूह डीः फ्रांस, इंग्लैंड, वेल्स, नीदरलैंड ।

सीनियर बैडमिंटन नेशनल्स में, चिराग और अनमोल खिताब बरकरार रखने उतरेंगे

बेंगलुरु। पुरुष एकल चैंपियन चिराग सेन और महिला एकल विजेता अनमोल खरब 18 दिसंबर से बेंगलुरु में खेली जाने वाली सीनियर बैडमिंटन नेशनल्स में अपना खिताब बराकरार रखने उतरेंगे। इस चैंपियनशिप की शुरुआत इंटर-जोनल टीम स्पर्धाओं से होगी, जबकि व्यक्तिगत टीम स्पर्धा 20 दिसंबर से शुरू होगी। इसमें मौजूदा चैम्पियन अपने-अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। वहीं इसको लेकर भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, सीनियर नेशनल चैंपियनशिप घरेलू सर्किट का शीर्ष है और हमारे घरेलू सर्किट में प्रतिस्पर्धा के स्तर को देखते हुए, बेंगलुरु में बैडमिंटन प्रशंसकों को अगले सात दिनों में उच्च गुणवत्ता वाले मैच देखने को मिलेंगे और हम युवा खिलाड़ियों के बीच से कुछ नए स्टार खिलाड़ियों के उभरने का इंतजार कर रहे हैं। यह साल का अंतिम बाई टूर्नामेंट होगा। साल 2006-07 में चेतन आनंद द्वारा यह उपलब्धि हासिल करने के बाद से कोई भी पुरुष एकल खिलाड़ी खिताब बरकरार नहीं रख पाया है। वहीं महिला बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल (2006-07 और 2017-18) की इसी अवधि के दौरान लगातार खिताब जीतने वाली एकमात्र महिला एकल खिलाड़ी रही हैं। वहीं व्यक्तिगत स्पर्धा में लक्ष्य सेन को दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु राजावत, दुनिया के 37वें नंबर के खिलाड़ी किरण जॉर्ज, पिछले संस्करण के फाइनलिस्ट एम. थारुन और बहुमुखी प्रतिभा के धनी प्रणय शेट्टीगर की अगुआई वाली युवा ब्रिगेड से कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

ब्रिसबेन टेस्ट

बुमराह, आकाशदीप ने टाला फॉलोआन का खतरा, भारत ने 9 विकेट पर बनाए 252 रन

केएल राहुल और रवींद्र जडेजा ने लगाया अर्धशतक केएल राहुल

ब्रिसबेन

गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन भारत ने आकाशदीप और जसप्रीत बुमराह के बीच आखिरी विकेट के लिए हुए 39 रनों की नाबाद साझेदारी की बदौलत फॉलोआन का खतरा टाल दिया है। दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने 9 विकेट पर 252 रन बना लिये हैं। आकाशदीप 27 और जसप्रीत बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत पहली पारी के आधार पर अभी भी ऑस्ट्रेलिया से 193 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 445 रन बनाए थे।

भारत के लिए केएल राहुल (84) और रवींद्र जडेजा (77) ने भी बेहतरीन अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

बारिश के व्यवधान के बीच भारत की पहली पारी की शुरूआत खराब रही और मिचेल स्टॉर्क ने पारी की दूसरी ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल (04) चलता कर भारत को पहला झटका दिया। शुभमन गिल भी कुछ खास नहीं कर सके और केवल 1 रन बनाकर चलते स्टॉर्क का दूसरा शिकार बने। विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और केवल 3 रन बनाकर हेजलवुड का शिकार बने।

इसके बाद पंत और राहुल ने भारत की पारी को आगे बढ़ाया। 44 के कुल स्कोर पर पंत (09) को पैट कमिंस ने अपना शिकार बनाया। कप्तान रोहित शर्मा का खराब फॉर्म जारी रहा और वे 74 के कुल स्कोर पर केवल 10 रन बनाकर पैट कमिंस का शिकर बने।

जडेजा और केएल राहुल ने संभाली भारत की पारी

यहां से रवींद्र जडेजा और केएल राहुल ने मिलकर छठे विकेट के लिए 67 रनों की साझेदारी कर भारत का स्कोर 140 के पार पहुंचाया। 141 के कुल स्कोर पर केएल राहुल को नाथन लियोन ने पवेलियन भेजा। राहुल ने 139 गेदों पर 8 चौकों की बदौलत 84 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली।

जडेजा-रेड्डी ने सातवें विकेट के लिए की 53 रनों की साझेदारी

राहुल के आउट होने के बाद रवींद्र जडेजा और नीतीश रेड्डी ने सातवें विकेट के लिए 53 रनों की बेहतरीन साझेदारी कर भारत का स्कोर 200 के करीब पहुंचाया, हालांकि पैट कमिंस ने 194 के कुल स्कोर पर नीतीश को बोल्ड कर यह साझेदारी तोड़ी। नीतीश ने 61 गेंदों का सामना किया और 16 रन बनाए।

201 के कुल स्कोर पर मोहम्मद सिराज (01) को स्टॉर्क ने आउट कर भारत को आठवां झटका दिया। 213 के कुल स्कोर पर जडेजा 77 रनों की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेलने के बाद पैट कमिंस का शिकार बने।

आकाशदीप और जसप्रीत बुमराह ने टाला फॉलोआन का खतरा

जडेजा के आउट होने के बाद भारत को फॉलोआन बचाने के लिए 33 रनों की जरूरत थी और आकाशदीप और बुमराह की आखिरी जोड़ी मैदान पर थी। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी को देखते हुए लग रहा था कि भारत का फॉलोआन खेलना तय है, लेकिन इस आखिरी भारतीय जोड़ी के मन में कुछ और ही चल रहा था, बुमराह ने आते ही पैट कमिंस की गेंद पर छक्का लगाकर अपने इरादे जता दिये, दूसरे छोर से आकाशदीप ने भी संभलकर खेलना शुरु किया। इन दोनों ने मिलकर न सिर्फ भारत को फॉलोआन से बचाया, बल्कि अपना विकेट भी बचाए रखा। फॉलोआन बचाने के बाद आकाशदीप ने पैट कमिंस की गेंद पर एक लंबा छक्का भी जडा, जिससे ड्रेसिंग रुम में बैठे विराट कोहली खुशी से उछल पड़े। दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने 9 विकेट पर 252 रन बना लिये हैं। बुमराह और आकाशदीप ने दसवें विकेट के लिए अब तक 39 रन जोड़ लिये हैं। आकाशदीप 27 और बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस ने 4, मिचेल स्टॉर्क ने 3, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन ने 1-1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 445 रन, हेड और स्मिथ का शतक

इससे पहले ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपनी पहला पारी में 445 रन बनाए। हेड ने 152 और स्मिथ ने 101 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने अर्धशतक लगाते हुए 70 रन बनाए।

सीएएफ अफ्रीकी पुरुष फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुने गए नाइजीरिया के फॉरवर्ड एडेमोला लुकमैन

मारोकेच

नाइजीरिया के फॉरवर्ड एडेमोला लुकमैन को मारोकेच में अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ (सीएएफ) पुरस्कारों में 2024 का अफ्रीकी फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुना गया है। लुकमैन को पिछले 12 महीनों में इतालवी टीम अटलांटा एफसी और अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बाद यह पुरस्कार दिया गया।

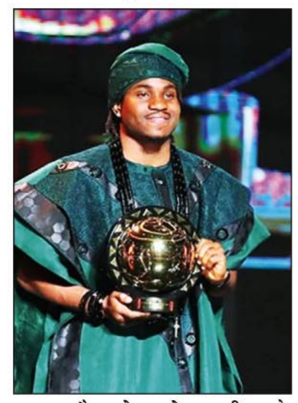

27 वर्षीय फॉरवर्ड विक्टर ओसिमेन के 2023 में यह उपलब्धि हासिल करने के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले दूसरे नाइजीरियाई खिलाड़ी बन गए।

लुकमैन ने मोरक्को के फुल-बैक अचरफ हकीमी, दक्षिण अफ्रीका के गोलकीपर रोनवेन विलियम्स, बोरुसिया डॉर्टमुंड के फॉरवर्ड सेरहौ गुइरासी और ब्राइटन के इवोरियन विंगर साइमन एडिंगरा को पीछे छोड़ते हुए यह पुरस्कार जीता है।

ईएसपीएन के अनुसार ट्रॉफी उठाते समय लुकमैन ने कहा, यह पुरस्कार एक वरदान है, अफ्रीका में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में पहचाना जाना अविश्वसनीय बात है। चार साल पहले, मेरा करियर खत्म हो गया था, लेकिन अब मैं अफ्रीका में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में यहां हूं। अपनी असफलताओं को अपने सपनों को रोकने न दें।

लुकमैन ने यूरोपा लीग के फाइनल में अटलांटा के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने हैट्रिक लगाकर अटलांटा को अपना पहला यूरोपीय सिल्वरवेयर और क्लब के 117 साल के इतिहास में दूसरी बड़ी ट्रॉफी दिलाई।

वैश्विक मंच पर, लुकमैन ने तीन गोल करके नाइजीरिया को 2024 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के फाइनल में पहुंचाया। सेबेस्टियन हॉलर के आखिरी समय में किए गए गोल के बाद उनकी टीम ट्रॉफी से चूक गई, जिसने आइवरी कोस्ट को खिताब दिलाया।

इस बीच, जाम्बिया की स्ट्राइकर बारबरा बांडा को महिला वर्ग में 2024 पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्राइड स्ट्राइकर बांडा ने पूरे साल शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पेरिस 2024 ओलंपिक में जाम्बिया के लिए हैट्रिक लगाई, जो ओलंपिक खेलों की फुटबॉल में उनकी तीसरी है, जो प्रतियोगिता में एक सर्वकालिक रिकॉर्ड है। वह 2024 में एफआईएफपीआरओ महिला विश्व 11 में शामिल होने वाली अफ्रीका की पहली खिलाड़ी भी बनीं।

महिला यूरो 2025

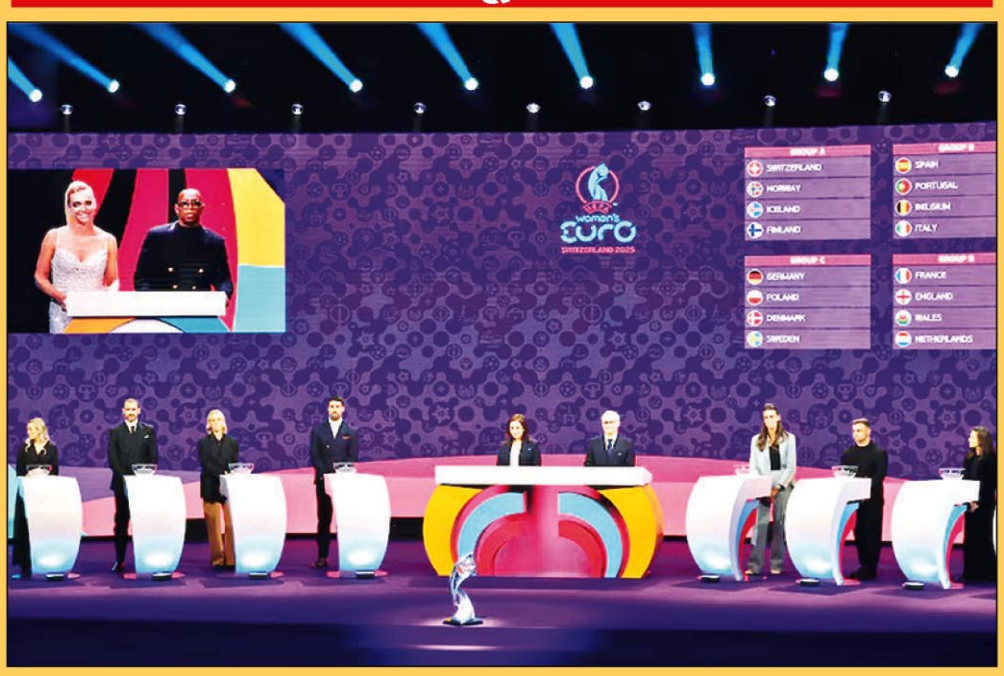

स्विटजरलैंड में महिला यूरो 2025 के फाइनल ड्रॉ के अवसर पर उसमें शामिल समूह।

अगले वर्ष विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर इवेंट की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली

भारत अगले साल 10 अगस्त को पहली बार विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर स्तर के आयोजन की मेजबानी करेगा। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने सोमवार को उक्त जानकारी दी।

एएफआई के 2025 सीज़न के प्रतिस्पर्धी कैलेंडर के अनुसार, कांस्य स्तर का कॉन्टिनेंटल टूर एथलेटिक्स इवेंट भुवनेश्वर में होगा। इस मीट को इंडियन ओपन नाम दिया गया है।

कॉन्टिनेंटल टूर ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिताओं की एक वार्षिक श्रृंखला है, जो कि एलीट-लेवल डायमंड लीग के बाद वैश्विक बैठकों के दूसरे स्तर के अंतर्गत आती है। इसे 2020 में वर्ल्ड चैलेंज सीरीज़ के उत्तराधिकारी के रूप में लॉन्च किया गया था और इसमें चार स्तर, स्वर्ण, रजत, कांस्य और चैलेंजर शामिल हैं।

ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार, एएफआई के अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने कहा, कॉन्टिनेंटल टूर भारतीय टीम के लिए सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले घरेलू मैदान पर अपनी क्षमता दिखाने का एक अच्छा अवसर होगा। टोक्यो में 13-21 सितंबर तक आयोजित होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 अगले साल की शीर्ष एथलेटिक्स प्रतियोगिता होगी। पिछली बार भारत ने इस तरह के अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स आयोजन की मेजबानी 2017 में की थी, जब भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप आयोजित की गई थी। भारत ने पुणे में बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 2013 एशियाई चैंपियनशिप की भी मेजबानी की थी। हरियाणा में 21 से 24 अप्रैल तक आयोजित होने वाला सीनियर नेशनल फेडरेशन कप मई में दक्षिण कोरिया में होने वाली एशियाई एथलेटिक चैंपियनशिप के लिए क्वालीफिकेशन इवेंट होगा। भारत का 2025 घरेलू एथलेटिक्स सत्र 12 जनवरी से उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय क्रॉस-कंट्री चैंपियनशिप, फरवरी में राष्ट्रीय अंतर-जिला एथलेटिक्स मीट और मार्च में आयोजित होने वाली इंडियन ओपन थ्रो और जंप प्रतियोगिताओं के साथ शुरू होगा।

टिम साउथी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास, मैकुलम ने की उनके लंबे करियर की सराहना

हैमिल्टन

न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी और इंग्लैंड के वर्तमान मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने मंगलवार को अपने 16 साल के टेस्ट करियर का अंत करने वाले तेज गेंदबाज टिम साउथी के लंबे करियर की प्रशंसा की। साउथी ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद लाल गेंद के प्रारूप से संन्यास लेने की घोषणा पहले ही कर दी थी।

अनुभवी दाएं हाथ के गेंदबाज ने अपने टेस्ट करियर का शानदार अंत किया, क्योंकि न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को सिर्फ 234 रनों पर आउट कर तीसरे टेस्ट में 423 रनों की विशाल जीत हासिल की।

साउथी के लिए यह एक पूर्ण-चक्र वाला क्षण था, जब उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अपने घरेलू मैदान सेडन पार्क में अपने टेस्ट करियर का शानदार अंत किया। उन्होंने इंग्लैंड के ही खिलाफ इस प्रारूप में अपना पहला मैच खेला था।

मैकुलम ने न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) द्वारा उनके सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक

वीडियो में कहा, टिम, मेरे अच्छे दोस्तों में से एक है, वास्तव में बहुत करीबी दोस्त है। वह उन लोगों में से एक है जिसके साथ आप समय बिताना पसंद करते हैं। आप उसे कभी भी किसी भी स्थिति से बाहर नहीं कर सकते। वह बस अपना सिर नीचे रखता है और कड़ी मेहनत करता है और इसलिए सफलता उसके पास आती है। सांख्यिकीय रूप से उसका प्रदर्शन किसी भी अन्य खिलाड़ी जितना ही अच्छा है, लेकिन मुझे लगता है कि महान खिलाड़ियों की पहचान लंबे समय तक खेलना है, उस लंबे समय तक बने रहना है और उसने ऐसा किया है।

साउथी ने इंग्लैंड की दूसरी पारी में दो विकेट चटकाए और 107 टेस्ट मैचों में 391 विकेटों के साथ अपना करियर समाप्त किया, जो रिचर्ड हैडली के बाद न्यूजीलैंड के लिए दूसरे सबसे अधिक विकेट हैं, जिनके नाम 86 मैचों में 431 विकेट हैं।

मैकुलम ने कहा, जब टिम सेडन पार्क से बाहर निकलेंगे, तो वह संतुष्ट होंगे, लेकिन आप जानते हैं कि देश लंबे समय तक उनके योगदान के लिए बहुत आभारी रहेगा।

जब साउथी अंतिम मैच के लिए बल्लेबाजी करने उतरे, तो उन्हें दोनों पारियों में इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। साउथी ने 2007-08 में नेपियर में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू पर 55 रन देकर 5 विकेट लिया था और 40 गेंदों पर 77 रन बनाए। दूसरी पारी में उनके नौ छक्के टेस्ट डेब्यू पर किसी भी खिलाड़ी के लिए एक रिकॉर्ड है। हालांकि, 36 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने टेस्ट करियर का अंत 98 छक्कों के साथ किया, जो छक्कों के शतक से दो कम है। उन्होंने वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल के अपने विदाई टेस्ट की पहली पारी के दौरान छक्के लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। साउथी और गेल के अब टेस्ट क्रिकेट में बराबर 98 छक्के हैं, जो केवल एडम गिलक्रिस्ट (100), ब्रेंडन मैकुलम (107) और बेन स्टोक्स (133) से पीछे हैं।

मैकुलम ने कहा, हमने देखा है कि वह युवा अवस्था में आया, उसने खेल को कई लोगों के लिए सम्मानित पति, पिता, मित्र और लीडर के रूप में छोड़ा। वह अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में बड़ा हुआ है और ऐसा करना आसान नहीं है और ऐसा करते हुए भी एक व्यक्ति के रूप में अपनी प्रामाणिकता को बनाए रखना आसान नहीं है। यह इस बात का प्रमाण है कि उसे इतना सम्मान क्यों दिया जाता है।

मां-बाप का गाना सुन कोमा से जागी 4 साल की बच्ची

ब्रिटेन में एक चार साल की बच्ची ने अपने माता पिता का गाना सुनकर मौत को भी मात दे दी और कोमा से बाहर आ गई। इस बच्ची का नाम है मिली मोरन। मिली मोरन को कई बीमारियों ने जन्म से ही घेर रखा है। मिली जब पैदा हुई थी तब से ही उसकी रीढ की हड्डी के बीच आठ सेंटीमीटर का गैप था। इसके साथ ही उसके पैंक्रियाज क्षतिग्रस्त थे। इसके अलावा भी उसको कई समस्याएं थी। मिली मोरन के अब तक 27 आपव्हरेशन हो चुके हैं। मिली मोरन को 22 दिसंबर 2014 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उसके चेस्ट इंफेक्शन था। क्रिसमस के दिन उसके लंग्स ने भी काम करना बंद कर दिया था जिससे वह कोमा में चली गई। चिकित्सकों ने हार मान ली लेकिन उसके माता पिता ने हार नहीं मानी। मोरन की मां एम्मा जेनी और पिता माइकल मोरेन पे मशीन के माइक्रोफोन पर डिज्नी का म्यूजिकल सॉन्ग गाया। वे फ्रोजन सॉन्ग गाते रहे क्योंकि बच्ची को यह गाना बहुत पसंद था। यह गाना सुनकर मिली कोमा से बाहर आ गई।

त्वचा के लिए फायदेमंद है कोकोआ बटर

कोकोआ बटर को हम सभी सौंदर्य में निखार पाने के लिए अपनाते है। इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, जिंक, आयरन पाया जाता है। साथ ही ये हमारे स्वास्थ्य लाभ के लिए भी फायदेमंद है। कोकोआ बटर को कोको बीन्स से प्राप्त किया जाता है। इसका रंग पीला होता है और इसे थियाब्रोंमा तेल के नाम ले जाना जाता है। इससे त्वचा सम्बंधी समस्याएं जैसे कि परतदार और फटी त्वचा की मरम्मत की जाती है।

हाथ ऊपर ले जाने पर हो दर्द तो हो सकता है रोटेटर कफ

कंधे से जुड़ी रोटेटर कफ की परेशानी ज्यादातर टेनिस, फुटबॉल प्लेयर, स्वीमर और पहलवानों को हो सकती है। गंभीर डायबिटीज के मरीजों में भी इसके मामले देखे जाते हैं। रोटेटर कफ कंधों के जॉइंट्स को हाथ से जोड़ने वाली चार मांसपेशियों (सुपरास्पिनेटस, इंफ्रास्पिनेटस, टेरेस माइनर और सब्सकैपुलरिस) के क्षतिग्रस्त होने पर होती है। जानें कारण व इलाज-

कारण- खेल के दौरान गोल करते हुए जोड़ों में खिंचाव, कंधे के बल गिरना, हाथ का गलत दिशा में मुड़ना, अधिक वजन उठाते समय कंधे पर दबाव मुख्य कारण हैं। इस दौरान अचानक खिंचाव से कंधे की मांसपेशियां क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। ऐसे व्यवसाय जिनमें कंधे के जोड़ों का अधिक प्रयोग हो जैसे पेंटर को भी यह समस्या होती है। डायबिटिज के मरीजों में अक्सर मांसपेशियों में सूजन या दर्द की समस्या रहती है। जिससे इनकी मसल्स में हल्का खिंचाव भी परेशानी को बढ़ाता है।

लक्षण- हाथ को ऊपर या पीछे लाने पर तेज दर्द, सूजन, सोते समय करवट लेने पर दर्द मुख्य लक्षण हैं। दिनचर्या से जुड़े काम जिसमें कंधे के जोड़ों का मूवमेंट जरूरी है, करते समय दर्द होना।

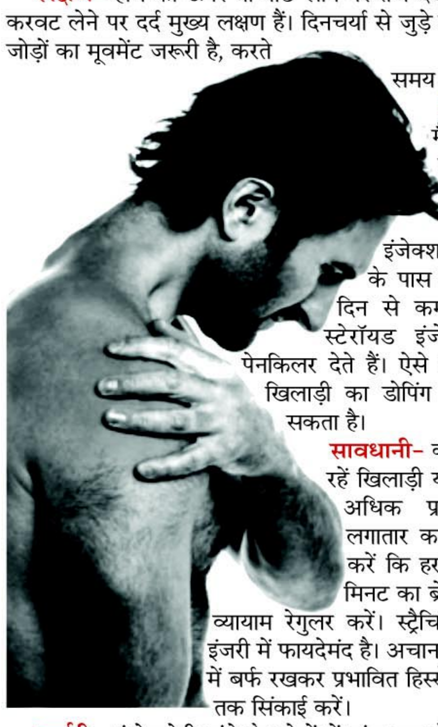

इलाज- पेन मैनेजमेंट दर्द व सूजन कम करने के लिए एंटीबायोटिक दवाएं या स्टेरॉयड इंजेक्शन देते हैं। यदि प्लेयर के पास इलाज के लिए 30 दिन से कम का समय है तो स्टेरॉयड इंजेक्शन के बजाय पेनकिलर देते हैं। ऐसे में इस इंजेक्शन से खिलाड़ी का डोपिंग टैस्ट पॉजिटिव आ सकता है।

सावधानी- कंधे से व्यायाम करते रहें खिलाड़ी या कंधे के जोड़ों का अधिक प्रयोग करने वाले लगातार काम न करें। कोशिश करें कि हर दो घंटे में 10-15 मिनट का ब्रेक लें। कंधे से जुड़े व्यायाम रेगुलर करें। स्ट्रैचिंग एक्सरसाइज इस इंजरी में फायदेमंद है। अचानक दर्द होने पर कपड़े में बर्फ रखकर प्रभावित हिस्से की 10-15 मिनट तक सिंकाई करें।

सर्जरी- एंथ्रोस्कोपी कंधे के जोड़ों में पांच माह से लगातार दर्द हो तो क्षतिग्रस्त मसल्स व दर्द की स्थिति के अनुसार एंथ्रोस्कोपी करते हैं। जिसमें मसल्स के प्रभावित हिस्से को रिपेयर करते हैं। इसके बाद करीब 20-22 दिन मरीज को देखरेख में रखकर कुछ व्यायाम कराते हैं व दवाएं देते हैं।

टैस्ट- ज्यादातर मामलों का फिजिकल चेकअप कर लक्षणों के आधार पर इलाज करते हैं। इसके अलावा मस्क्युलर स्केलेटल अल्ट्रासाउंड और एमआरआई से क्षतिग्रस्त मांसपेशी का पता लगाते हैं।

एक्सरसाइज- दर्द कम होने के बाद मसल्स स्ट्रेचिंग व स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज कराते हैं। इंजरी से जो मांसपेशी जुड़ी हैं उसके अनुसार व्यायाम कराते हैं। इससे क्षतिग्रस्त मांसपेशी रिपेयर होती है।

कानों के लिए खतरा बन सकती है ईयर कैंडलिंग

कान की सफाई जरूरी होती है लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी ये बात है कि आप कैसे उसको साफ करते है। अक्सर घरों में सलाई में रूई लगाकर या हेयर पिन से कान साफ करते रहे है। ये ठीक नहीं है। इससेस कानों को नुकसान पंहुचता है। आजकल आज कल सैलून और ब्यूटी पार्लर मे ईयर कैंडलिंग का काफी चलन में है। इसका प्रयोग कान का मैल निकलाने के लिए किया जाता रहा है। प्राचीन ईजिप्ट में ईयर कैंडलिंग की प्रक्रिया बहुत पापुलर रही है। हालांकि इसे भी सुरक्षित नहीं माना जाता है।

क्या होती है ईयर कैंडलिंग

कानों की मैल को दूर करने के लिए ईयर कैंडलिंग का तरीका लंबे समय से अपनाया जा रहा है। इस नुस्खे के तहत टिशु से कान को कवर करके मोमबत्ती जलाई जाती है। इसमें मोमबत्ती का एक कोना कान के भीतर होता है और दूसरे पर चिंगारी रहती है। इसमें नीचे की तरफ भाप आती है जो सीधे कान में जाती है। जिससे कान का मैल गर्म होकर पिघल जाता है। यह उपाय वे लोग अकसर अपनाते हैं जिनके कान में खुजली या जलन रहती है।

ये होते हैं नुकसान

मोमबती के सिरे पर लगी आग की वजह से यह प्रक्रिया काफी खतरनाक साबित हो सकती है। कान में मोमबत्ती जलाकर मोम डालने से भी मैल नहीं निकलेगी। इससे कान जाम हो सकते हैं या फिर संक्रमण का खतरा रहता है। एफडीए इस मामले में चेतावनी देती है कि ऐसा करने से न केवल कान की नली बंद हो सकती है वरन कान का पर्दा भी फट सकता है। इससे त्वचा के अनय अंगों के जल जाने का खतरा भी रहता है। अगर कान की मैल को हटाना चाहते हैं तो गर्म पानी से ऊपर-ऊपर साफ करें और अपने कानों को शॉवर में कभी कभी रखें। इस तरीके से कान में जमा कड़ी से कड़ी मैल को गर्म किया जा सकता है और उसे ढीला बनाया जा सकता है। कान की मैल साफ करने की कोशिश अच्छी होने की बजाय बुरी साबित होती है। अगर मैल को निकालने के दौरान कान की नली में और गहरे धकेल दिया जाता है तो यह नुकसानदेह होती है।

स्टेम सेल जैल से जुड़ेंगी टूटी हड्डियां

स्टेम सेल तकनीक दुर्घटनावश अगर किसी की हड्डी टूट जाए, तो उसे जुड़ने में न सिर्फ काफी वक्त लगता है, बल्कि वह पहले जितनी मजबूत भी नहीं हो पाती हैं। लेकिन अमेरिका के वैज्ञानिकों ने हड्डी में आयी दरार को भरने के लिए नया तरीका खोज निकाला है। वैज्ञानिकों ने स्टेम सेल से लैस एक ऐसा जैल बनाया है, जो हड्डी में आई दरार को भरने में सक्षम होगा।

वैज्ञानिकों के मुताबिक जैल में मौजूद स्टेम कोशिकाओं की सतह पर बेहद सूक्ष्म चुंबकीय कण जोड़े गए हैं। इंजेक्शन के जरिए जब इस जैल को हड्डी में पहुंचाया जाता है। इसके बाद उसके ऊपर चुंबकीय गुणों से लैस पट्टी बांध दी जाती है। पट्टी के बांधने के साथ ही चुंबकीय कण सक्रिय हो जाते हैं। और हड्डियों में आई दरार को भरने में स्टेम सेल मदद करते हैं। यह परिस्थिति बहुत हद तक वैसी ही होती है, जैसी बच्चों में कार्टिलेज और हड्डियों के विकास के दौरान देखी जाती है। शोधकर्ताओं ने परीक्षण के स्तर पर इस जैल के खरा उतरने का दावा किया है। उनकी मानें तो इसकी मदद से चूहे और मुर्गियों की टूटी हड्डियों को जोड़ने में सफलता हाथ लगी है। अब हम साल के अंत तक इनसानी हड्डियों पर इसका असर आंकने की तैयारी कर रहे हैं। हज के अनुसार हड्डियों को जोड़ने के लिए जब प्लास्टर चढ़ाया जाता है तो शरीर में सबसे पहले एक कार्टिलेज बनता है। यह एक ढांचे की तरह काम करता है, जिसके इर्दगिर्द हड्डी विकसित होती है। व्यक्ति जितना व्यायाम करेगा हड्डी उतनी ही मजबूत बनेगी। हालांकि आमतौर पर ऐसा नहीं हो पाता। हड्डी टूटने पर मरीज को असहयनीय दर्द होता है। हमने इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए स्टेम सेल से भरपूर जैल बनाया है। इसका इंजेक्शन लगाने पर मरीज को बिस्तर से उठने की जरूरत तक नहीं पड़ेगी और उसकी टूटी हड्डी न सिर्फ जुड़ेगी, बल्कि उसका घनत्व भी अधिक होगा।

सेहत पर कैसे भारी पड़ सकता है पापड़ खाना

हम अक्सर होली पर अपने घरों की छतों पर आलू या साबूदाने के पापड़ सुखाया करते थे। पर जब से बाजार में पापड़ मिलने शुरु हो गए हैं, हमने अब घर पर पापड़ बनाना बंद कर दिए हैं।

आज कल आपको बाजार में तरह तरह के स्वाद और रंग वाले पापड़ और चिप्स बिकते हुए दिख जाएंगे। अक्सर लोग अपने भोजन के साथ साथ एक रोस्टेड पापड़ या फिर फ्राई किया हुआ पापड़ खाना पसंद करते हैं, जो सेहत के लिए काफी हानिकारक हो सकता है।

यहां तक कि कॉकटेल स्नैक के तौर पर भी मसालेदार पापड़ ही सर्व किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये पापड़ हमारी सेहत के लिए कितने खराब हैं, आइए जानते हैं...

पापड़ बढ़ा सकता है मोटापा

दो पापड़ एक रोटी के समान होता है। अगर आप कैलारी नहीं बढ़ाना चाहते हैं तो पापड़ खाने की गलती कभी ना करें। 13 ग्राम पापड़ में 35-40 कैलोरी, सोडियम- 226 एमजी और कार्बोहाइड्रेट 7.8 ग्राम पाया जाता है।

प्रीज़र्वटिव का होता है प्रयोग

पापड़ को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए पापड़ बनाने वाली फैक्टीरियां उसमें प्रीज़र्वटिव आदि मिलाती हैं। साथ ही इसमें नमक के साथ साजी नामक सोडियम साल्ट मिलाया जाता है, जिससे इसका स्वाद तो बढ़ता है। यह साल्ट हार्ट और किडनी की बीमारी के साथ हाई बीपी भी पैदा कर सकता है।

एसिडिटी की समस्या

दुकान से खरीदे हुए पापड़ों में अक्सर आर्टिफीशियल फ्लेवर और मसाले मिलाए जाते हैं जो कि पेट के लिये खराब तो होते ही हैं साथ में ज्यादा खाने पर एसिडिटी भी हो जाती है।

फ्राई किए पापड़ और भी घातक

फ्राई किए पापड़ों में तेल और फैट दोनों ही हाई होते हैं। रिसर्च के अनुसार पाया गया है कि फ्राई और आग पर भुने हुए पापड़ में एक्रिलामाइड जो एक टॉक्सिन है, उसकी मात्रा बढ़ जाती है, इसे कार्सीनोजिन भी कहते। इससे आपको बेचैनी, घबराहट और मूड सविंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मगर माइक्रोवेव में पकाए पापड़ आपकी सेहत को कभी नुकसान नहीं पहुंचा सकते।

पापड़ बनाने की प्रक्रिया

पापड़ बनाई जाने वाली फैक्ट्रियां कभी साफ नहीं होती। इन्हें हाथों से बनाया जाता है और फिर इन्हें सुखाने के लिए धूप में खुले स्थान पर रखा जाता है, जहां इनमें धूल मिट्टी पड़ती रहती है।

जूतों की शॉपिंग ऐसी हो कि आपको देखकर सब हो जाएं हैरान

फुटवियर्स से आउटफिट बनाएं ग्लैमरस

महिलाओं की पसंदीदा एक्सेसरीज में से एक हैं उनके फुटवियर्स। ड्रेस चाहे कितनी भी खूबसूरत क्यों न हो, सही फुटवियर के बिना अधूरी रह जाती है। अब इसका यह मतलब भी नहीं है कि आप ढेरों जूते खरीद कर घर ले आएं। हम आपको जूतों की शॉपिंग के लिए ऐसे टिप्स देंगे कि आपकी वार्डरोब देखकर आपकी सहेलियां भी आपसे ईर्ष्या करने लगें। ये वो पेयर्स हैं जो आपकी हर आउटफिट की अपीयरेंस और भी ग्लैमरस बना देंगे।

ईवनिंग पार्टी के लिए क्लासी ब्लैक

ईवनिंग पार्टी और आम मौकों पर पहनने के लिए हर लड़की के पास क्लासी ब्लैक पम्पस का एक पेयर जरूर होना चाहिए। इसे आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। दोस्तों के साथ आउटिंग पर जा रही हैं, तो भी ये फुटवियर बढ़िया च्वाइस रहेगी। ये शूज फॉर्मल हैं, लेकिन ईवनिंग वियर के साथ बेहतरीन लुक देंगे। हल्की हील वाले ये शूज़ काफी आरामदायक होते हैं और पैरों को आराम भी देते हैं। इन्हें पहन कर चलना आसान रहता है। आजकल ट्रैंडी फुटवियर में कोल्हापुरी चप्पलें और मोजरी का फैशन इन है।

बैली निखारेगी पर्सनैलिटी, पैरों के लिए आरामदायक

अगर आप फुटवियर्स के मामले में ज्यादा झमेले में नहीं पड़ना चाहतीं और बहुत सिंपल शूज़ चाहती हैं लेकिन साथ ही एलिगेंट लुक भी चाहती हैं तो बैली आपकी सभी अज़माइशों पर खरी उतरती है। ये आपकी पर्सनैलिटी को भी निखारेगी। आप इन्हें सारा दिन पहन सकती हैं, इसके बावजूद आपके पैरों में दर्द नहीं होगा क्योंकि ये बेहद आरामदेय होती हैं। आप इन्हें फॉर्मल आउटफिट के साथ पहन सकती हैं और अगर चाहें तो फ्रॉक के साथ भी कैरी कर सकती हैं।

स्ट्रैपी सैंडल्स से मिलेगा बोल्ड लुक

अगर आप सोशल हैं तो बहुत सारे विशेष अवसरों पर आपको जाना पड़ता है, ऐसे में आप अपना फैशन दिखा सकती हैं। फंक्शंस में थोड़ी-सी एक्स्ट्रा ब्लिंग की जरूरत होती है। ग्लैम लुक के लिए गोल्ड या सिल्वर में स्ट्रैपी सैंडल्स ट्राई करें। इस पर बड़े बोल्ड स्टोंस लगे हो सकते हैं। मोती भी इनकी चमक को और बढ़ाएंगे और आपको सैक्सी व बोल्ड लुक देंगे। अगर आपको एथनिक वियर्स ज्यादा पसंद हैं या जींस और स्कर्ट पहनना आपको ज्यादा भाता है तो बेसिक कलर्स जैसे बेज, ब्लैक या कैमल ट्राई करने चाहिए। ये भारतीय परिधानों और लॉन्ग स्कर्ट्स के साथ सुंदर दिखते हैं। न्यूट्रल कलर्स से आप अधिकतर आउटफिट्स के साथ पेयर कर सकती हैं।

...तो अब ब्लड शुगर को कर सकेंगे नियंत्रित

हम में से अधिकांश खाना पकाने में रेफाइंड अनाज का प्रयोग करते हैं। यह ऐसा अनाज है जिसकी बाहरी परत नहीं होती। इस बाहरी परत को व्हीट ब्रान कहते हैं। इसमें विटामिन बी-1, बी-2, बी-3, विटामिन-ई, आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, फासफोरस, जिंक, कॉपर तथा फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके बिना हमारा अनाज उतना स्वस्थ नहीं होता जितना कि यह हो सकता है। यदि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर हैं तो आपको साबुत अनाज के बारे में सोचना होगा। आइए जानते हैं इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में।

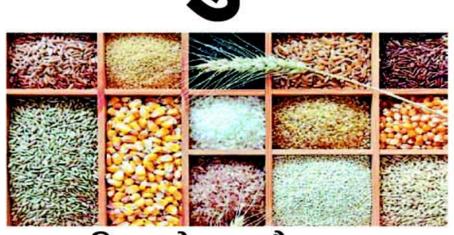

लिवर को बनाता है स्वस्थ

एक स्वस्थ लिवर के लिए एक ऐसे पेट की जरूरत होती है, जिसमें भोजन आसानी से इधर-उधर आ-जा सके और जो विषैले तत्वों के निर्मित होने से रहित हो। साबुत अनाज का ब्रान वाला हिस्सा इस बात को यकीनी बनाता है कि इन विषैले तत्वों को प्रभावी ढंग से साफ किया जाए।

अधिक पोषक...

चूंकि व्हीट ब्रान साबुत अनाज में से हटाया नहीं जाता और सभी पोषक तत्व इसमें मौजूद रहते हैं इसलिए खिलाड़ियों, बढ़ रहे बच्चों, मां बनने वाली महिलाओं तथा स्वस्थ भोजन की इच्छा रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसकी सलाह दी जाती है। साबुत अनाज का ग्लाइसैमिक इंडेक्स सफेद आटे के मुकाबले ब्लड शूगर को बेहतर तरीके से नियंत्रित करता है। व्हीट ब्रान भोजन को ब्लड शूगर में धीरे-धीरे परिवर्तित करता है और इसे शरीर के प्राकृतिक इंसुलिन हार्मोन मैकेनिज्म के लिए आसानी से मैनेज करता है।

कैंसर का खतरा कम

साबुत अनाज का आटा फाइबर का बहुत बढ़िया स्रोत है जो हमारी आंतों की गतिविधियों को नियंत्रित करता है। भोजन में फाइबर वाला हिस्सा अधिक होना चाहिए ताकि यह पानी अधिक सोख सके। आंतों के प्रो-बायोटिक बैक्टीरिया को पेट के अल्केलाइन बैलेंस को नियंत्रित करने के लिए फाइबर की जरूरत होती है। जब फाइबर पेट में प्रविष्ट होता है तो फ्रेंडली बैक्टीरिया इसे इसके स्वास्थ्यवर्धक तत्व रिलीज करने के लिए तोड़ देता है।

रेसिपी

पालक कॉर्न सब्जी

सामग्री

3/4 कप पालक की प्युरी, 1/2 कप हल्की उबाली और कटी हुई पालक, 1 कप उबले हुए मीठी मकई के दाने, 1/2 टेबल-स्पून घी, 1/2 टी-स्पून जीरा, 2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसून, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, नमक , स्वाद अनुसार, 2 टेबल-स्पून ताजा क्रीम, 1/4 टी-स्पून गरम मसाला, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च का पाउडर

विधि

एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में घी गरम करिए और उसमे जीरा डालिए। जब जीरा चटखने लगे, तब उसमे लहसून, लाल मिर्च का पाउडर और अदरक डालिए और मध्यम आंच पर 1 मिनट भूनिए। उसमे पालक की प्युरी, पालक, कॉर्न, नमक, 1/4 कप पानी, ताजी क्रीम, गरम मसाला और लाल मिर्च का पाउडर डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट बीच-बीच में हिलाते हुए, पकाइए। गरमा गरम परोसिए।

लज़ानीया

सामग्री

रोस्टड वेजिटेबल्स् के लिए: 1/2 कप लाल शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप हरी शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप बीज निकाले हुए टमाटर के टुकड़े, 1 स्पून जैतून का तेल, 2 स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 स्पून सूखा ऑरेगानो, नमक स्वादअनुसार, **अन्य सामग्री**: 1 1/2 कप व्हाईट सॉस, 1 कप पिज़्ज़ा सॉस, 4 हुए लजानीया शीट, 1/4 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज

विधि

रोस्टड वेजिटेबल्स् के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकन्ड तक भूनें। लाल और हरी शिमला मिर्च के टुकड़े और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, धीमी आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए पका लें। टमाटर, ऑरेगानो, लाल मिर्च के फ्लैक्स् और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट के लिए पका लें। एक तरफ रखें। **आगे बढ़ने की विधी**: रोस्टड वेजिटेबल्स् और व्हाईट सॉस को एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 1 मिनट के लिए पका लें। एक तरफ रख दें। बेकिंग डिश के बेस पर 1/2 कप पिज़्ज़ा सॉस डालकर अच्छी तरह फैला लें और सॉस के उपर समान अंतर पर 2 लज़ानीया शीट रखें। व्हाईट सॉस-रोस्टड वेजिटेबल्स् के मिश्रण को डालकर फैला लें और इसके उपर 1/4 कप पिज़्ज़ा सॉस फैलाकर उपर और 2 लज़ानीया शीट्स रखें। बचा हुआ 1/4 कप पिज़्ज़ा सॉस डालकर अच्छी तरह फैला लें और ऊपर अच्छी तरह से चीज़ छिड़कें। पहले से गरम अवन में लज़ानीया को 200°c (400°f) के तापमान पर 8 मिनट के लिए बेक करें या माईक्रोवेव में उच्च पर 2 मिनट के लिए पका लें। गार्लिक ब्रेड के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)